INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-12 | मथुरा, सोमवार, 9 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

खुले जन औषधि केंद्रों का क्या मतलब

कानून है जेनेरिक दवाओं का डॉक्टरों को पसंद ब्रांडेड दवा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। देश में सात मार्च को आठवां जन औषधि दिवस मनाया गया। इसका उद्देश्य सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत देशभर में हजारों जन औषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके बावजूद वास्तविकता यह है कि अधिकांश मरीज अब भी महंगी ब्रांडेड दवाएं खरीदने को मजबूर हैं। सवाल उठता है कि जब कानून स्वयं चिकित्सकों को दवाएं जेनेरिक नाम से लिखने के लिए बाध्य करता है, तब आम नागरिक आज भी महंगी दवाओं का आर्थिक बोझ क्यों उठा रहा है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 दिसंबर 2025 तक देश में 17,990 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे थे, जहां जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इन दवाओं की कीमत ब्रांडेड दवाओं की तुलना में काफी कम होती है, फिर भी बड़ी संख्या में मरीज इनका लाभ नहीं ले पाते क्योंकि अधिकांश चिकित्सक अपने पर्चों में दवाएं ब्रांड नाम से लिखते हैं। इस स्थिति को लेकर आगरा के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता केसी जैन ने वर्ष 2023 में सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका संख्या 794/2023 दायर की थी, जिसमें मौजूदा कानूनी प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन की मांग की गई है। इस याचिका में केंद्र सरकार, नेशनल मेडिकल काउंसिल और नेशनल

फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) सहित कई संस्थाओं को पक्षकार बनाया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इन सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया है और उनके जवाब भी दाखिल हो चुके हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 14 अप्रैल को निर्धारित की गई है। एडवोकेट केसी जैन ने बताया कि विधिक दृष्टि से जेनेरिक दवा लिखना कोई

ब्रांडेड दवा खरीदने को विवश तीमारदार

50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती जेनेरिक दवाएं

अब मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, सुनवाई 14 अप्रेल को

विकल्प नहीं है बल्कि चिकित्सकों का दायित्व है। वर्ष 2002 में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा बनाए गए व्यावसायिक आचरण संबंधी नियमों की धारा 1.5 में स्पष्ट किया गया कि प्रत्येक पंजीकृत चिकित्सक दवा को उसके जेनेरिक नाम से लिखे। 21 सितंबर 2016 को किए गए संशोधन में यह और स्पष्ट कर दिया गया कि दवाएं जेनेरिक नाम से, स्पष्ट और पठनीय अक्षरों में लिखी जानी चाहिए। इसके बाद 25 सितंबर 2020 को नेशनल मेडिकल कमीशन अधिनियम लागू हुआ, जिसकी धाराएं 60 और 61 इन नियमों को प्रभावी बनाए रखती हैं। अधिनियम की धारा 30 के अनुसार इन नियमों का उल्लंघन व्यावसायिक कदाचार की श्रेणी में आता है। 23 अगस्त 2023 को जारी अधिसूचना में भी यह पुनः स्पष्ट किया गया कि 2002 के नियम पूर्ण रूप से लागू और बाध्यकारी हैं। इस प्रकार विधिक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट है कि चिकित्सकों को दवाएं जेनेरिक नाम से ही लिखनी चाहिए।

श्री जैन ने बताया कि संसदीय उत्तरों में भी यह स्वीकार किया जा चुका है कि जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं। उदाहरण के तौर पर यदि किसी मरीज को प्रतिमाह लगभग 2000 रुपये की ब्रांडेड दवा लिखी जाती है तो वही दवा जेनेरिक रूप में 500 से 700 रुपये में उपलब्ध हो सकती है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या कैंसर जैसे दीर्घकालिक रोगों में यह अंतर वर्षों में लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। सरकारी उत्तरों में यह भी उल्लेख किया गया है कि जन औषधि योजना के माध्यम से नागरिकों को हजारों करोड़ रुपये की बचत हुई है, जो यह दर्शाता है कि मूल्य का अंतर वास्तविक और व्यापक प्रभाव वाला है।

महंगी दवाओं का सबसे अधिक असर समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। दिहाड़ी मजदूर, सीमांत किसान, वृद्ध पेंशनभोगी, विधवा महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों के परिवार इस आर्थिक बोझ से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जब दवाएं महंगी लिखी जाती हैं तो कई परिवार इलाज बीच में ही छोड़ देते हैं, कई मरीज आधी दवा खरीदते हैं और कई को कर्ज लेकर दवा खरीदनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार केवल कागजों तक सीमित रह जाता है। यदि सस्ती दवा उपलब्ध है और कानून भी उसका निर्देश देता है, तो उसका पालन न होना सामाजिक असमानता को और गहरा करता है। जन औषधि दिवस के संदर्भ में यह भी सामने आया है कि कई जन औषधि केंद्रों पर सभी आवश्यक दवाएं नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहतीं। यदि इन दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और आवश्यकता पड़ने पर कोरियर व्यवस्था के माध्यम से मरीजों तक दवाएं पहुंचाने की प्रणाली विकसित की जाए तो यह आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। इस पूरे मुद्दे पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता केसी जैन का कहना है कि जन औषधि दिवस का वास्तविक महत्व तभी होगा जब चिकित्सक जेनेरिक दवाएं लिखना शुरू करें। उनका कहना है कि जब कानून स्पष्ट रूप से यह कहता है कि दवाएं जेनेरिक नाम से लिखी जानी चाहिए और संसद में भी स्वीकार किया जा चुका है कि जेनेरिक दवाएं 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं, तब इस व्यवस्था का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना केवल कानूनी ही नहीं बल्कि नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी भी है।

जमाखोरी: एलपीजी बुकिंग में बदलाव

सिलेंडर भी अब बोलेगा 25 दिन बाद मिलूंगा

यूनिक समय, मथुरा। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव कर दिया है। अब उपभोक्ता को एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर बुक कराने के लिए 21 दिन नहीं बल्कि पूरे 25 दिन इंतजार करना पड़ेगा। सरकार का कहना है कि यह फैसला गैस की जमाखोरी रोकने और जरूरतमंदों तक समय पर सिलेंडर पहुंचाने के लिए लिया गया है। लेकिन आम उपभोक्ता के लिए यह फैसला कुछ ऐसा है जैसे गैस सिलेंडर भी अब थोड़ा 'आराम मोड' में चला गया हो।

सूत्रों के मुताबिक मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़ी स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। हाल के दिनों में यह देखा गया कि कुछ लोग जल्दी–जल्दी सिलेंडर बुक कराने लगे थे। पहले जहां लोग करीब 50-55 दिन में एक सिलेंडर खत्म करते थे, वहीं अब कुछ घरों में 15 दिन में ही नया सिलेंडर बुक होने लगा था। सरकार को लगा कि कहीं सिलेंडर भी लोग राशन की तरह जमा न करने लगें, इसलिए इंतजार की अवधि चार दिन

बढ़ा दी गई। इधर उपभोक्ताओं के लिए एक और 'सरप्राइज' दो दिन पहले ही आ चुका है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर अब 913 रुपए का हो गया है। वहीं 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत भी 115 रुपए बढ़कर 1883 रुपए पहुंच गई है। कुल मिलाकर संदेश साफ है-घबराइए मत, देश में तेल और गैस दोनों हैं। बस सिलेंडर से दोस्ती निभानी है तो थोड़ा सब्र रखना होगा, क्योंकि अब वह भी कह रहा है, "भाई, 25 दिन बाद ही मिलेंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पहुंचीं मथुरा

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल वेटेरिनरी कालेज में भ्रमण करती हुईं।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सोमवार की सुबह दो दिवसीय भ्रमण पर मथुरा पहुंचीं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (वेटेरिनरी कॉलेज) के हेलीपैड पर उतरते ही जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार और विश्वविद्यालय के कुलपति अभिजित मित्र ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने प्रवास के पहले दिन राज्यपाल ने कॉलेज परिसर का भ्रमण किया। परिसर की दीवारों पर छात्राओं द्वारा बनाई गई रचनात्मक वॉल पेंटिंग को देखकर उन्होंने न केवल रुककर उन्हें निहारा, बल्कि छात्राओं की कलात्मक सोच की सराहना भी की। शाम के सत्र में राज्यपाल ने वृंदावन राजकीय बालिका गृह का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाएं देखीं। वेटेरिनरी परिसर स्थित फिशरीज महाविद्यालय और कृष्णा गर्ल्स हॉस्टल का भ्रमण किया। हॉस्टल में छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। संवाद के दौरान एक उत्साहित छात्र ने राज्यपाल को उनका हाथ से बना हुआ सजीव चित्र भेंट किया, जिसे देख राज्यपाल अभिभूत नजर आईं।

वेटेरिनरी कॉलेज के हैलीपेड पर डीएम, एसएसपी और कुलपति ने किया स्वागत

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के आगमन को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। वेटेरिनरी कॉलेज से लेकर वृंदावन तक भारी पुलिस बल तैनात किया गया। वहीं यातायात पुलिस ने विशेष रूट प्लान लागू किया।

सशक्त | **ब्रज के युवाओं को मिलेगा मुफ्त कंप्यूटर सीखने का अवसर**

हुनर सीखकर ब्रज के युवा बनेंगे आत्मनिर्भर

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। 'शिक्षा कायाकल्प न्यास', 'डीएवी इंटर कॉलेज' और आईआईटीअन्स द्वारा संचालित 'दीक्षा फाउंडेशन' के संयुक्त प्रयास से युवाओं के लिए निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक रोजगार से जोड़ना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं को कंप्यूटर, लैपटॉप तथा हार्डवेयर रिपेयरिंग का आधुनिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क दिया जाएगा। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य "हुनर

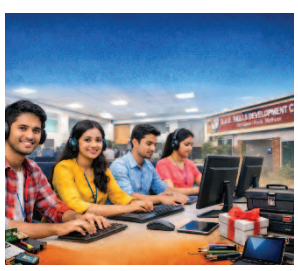

सीखें, सम्मान पाएं और आत्मनिर्भर बनें" के संकल्प को साकार करना है। संस्था का प्रयास है कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को ब्रज क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे वे अपने परिवार के साथ रहते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। प्रशिक्षण केंद्र पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त एसी लैब उपलब्ध है, जहां छात्र–छात्राएं

डीएवी स्किल डेवलपमेंट सेंटर में आधुनिक एसी लैब में प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसर और प्रमाणपत्र भी मिलेगा

नई तकनीकों को व्यवहारिक रूप से सीख सकेंगे। इसके अलावा कोर्स के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप निःशुल्क लैपटॉप, टैबलेट या रिपेयरिंग किट भी प्रदान की जाएगी। इस कोर्स में भाग लेने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है, जिससे अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रतिभागियों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंसियों से प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया और कोर्स की विस्तृत जानकारी के लिए 13 मार्च को सेंटर पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है। सीमित सीटों के कारण चयन "पहले आओ–पहले पाओ" के आधार पर किया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक युवा अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर 9358706171 या 9412171283 पर व्हाट्सएप कर सकते हैं। प्रशिक्षण केंद्र डीएवी स्किल डेवलपमेंट सेंटर, वृंदावन रोड, मसानी तिराहा, मथुरा पर स्थित है।

वेटेरिनरी कालेज का 15वाँ दीक्षांत समारोह कल

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो.अनुसंधान संस्थान का 15वाँ दीक्षांत समारोह कल होगा। यह जानकारी कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने दी है। उन्होंने बताया कि 10 मार्च को होने वाले दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भारत सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीन बी महश्वरप्पा एवं विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह होंगे। दीक्षांत समारोह में 177 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 69 डिग्रियाँ बीवीएससी एवं एएच, 74 स्नातकोत्तर डिग्रियाँ, 5 पीएचडी डिग्रियाँ तथा 29 बायोटेक्नोलॉजी की डिग्रियाँ प्रदान की जाएंगी। उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विद्यार्थियों को 20 पदक प्रदान किए जाएंगे। पदकों में 14 स्वर्ण, 4 रजत पदक तथा 2 कांस्य पदक शामिल हैं। इस कार्यक्रम के दौरान 2 पुस्तक, विश्वविद्यालय समाचार पत्र तथा पशुधन पत्रिका का भी लोकार्पण किया जाएगा। ग्रामीण गरीबों के उत्थान के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत संस्थाओं जैसे आंगनवाड़ी केंद्रों तथा गोद लिए गए गाँवों के लिए किट भी वितरित की जाएंगी।

पत्रकारों को जानकारी देते उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान के कुलपति डॉ. अभिजित मित्र आदि।

मुख्य अतिथि भारत सरकार पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीन बी महश्वरप्पा

यूपी पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह आएंगे

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा गोद लिए गए पाँच गाँवों के विद्यालयी बच्चों के बीच चित्रकला, देशभक्ति गीत तथा भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थीं। इन प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को इस समारोह में राज्यपाल सम्मानित करेंगी।

तापमान / मौसम

35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

18 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,62,000

22 कैरेट 1,49,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन व्यवस्था पर सवाल

मंदिर में निजी सुरक्षाकर्मियों पर लगा बदसलूकी का आरोप

बांकेबिहारी मंदिर के आंगन में श्रद्धालुओं के साथ धक्का मुक्की करते निजी सुरक्षाकर्मी। (फोटो स्रोत (वायरल वीडियो)

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन की व्यवस्थाएं एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। वायरल वीडियो को लेकर लोगों में चर्चा है। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में तैनात निजी सुरक्षाकर्मियों पर धक्का मुक्की और अभद्र व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में सुरक्षाकर्मी श्रद्धालुओं के साथ खींचतान करते नजर आ रहे हैं। दर्शन करने आई एक महिला श्रद्धालु ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि भीड़ नियंत्रण के नाम पर गार्ड्स श्रद्धालुओं के साथ बदसलूकी कर रहे हैं। आरोप लगाया कि हम दूर–दराज से अटूट आस्था लेकर आते हैं लेकिन मंदिर के अंदर हमें कुछ सेकंड भी शांति से खड़ा नहीं होने दिया जाता। गार्ड्स इतनी जोर से धकिया रहे हैं कि महिलाओं और बुजुर्गों को संभलना मुश्किल हो रहा है। भीड़ के दबाव को देखते हुए पुलिस और मंदिर प्रशासन ने प्रवेश मार्गों पर जगह–जगह होल्डिंग बैरियर और रस्सा लगाकर श्रद्धालुओं को रोका। इस कारण दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं और लोग घंटों इंतजार में व्याकुल दिखे। स्थिति यह रही कि भीड़ और अव्यवस्था से परेशान होकर कई श्रद्धालुओं को बिना दर्शन किए ही लौटना पड़ा।

वायरल वीडियो से मचा हंगामा

सीबीएसई बोर्ड की गणित परीक्षा में 92 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

यूनिक समय,मथुरा। सीबीएसई की कक्षा 12वीं की गणित विषय की परीक्षा सोमवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। जनपद में गणित परीक्षा के लिए 4902 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 4810 छात्र–छात्राएँ परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 92 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले में सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। कहीं से भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

डीएम के सामने पहुंची 112 वर्ष की वृद्धा

बोली.. मुझे पेंशन दिला दो

डीएम सीपी सिंह के सामने खड़ी 112 वर्ष की वृद्धा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को 112 वर्ष की एक बुजुर्ग महिला अपनी वृद्धावस्था पेंशन की समस्या को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। इतनी अधिक आयु में बिना किसी के सहारे सरकारी दफ्तर पहुंची बुजुर्ग महिला की स्थिति देख डीएम सीपी सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया। वृद्धा का दर्द समझते हुए उन्होंने समाधान करने के निर्देश दिए। वृद्ध महिला को देखकर कार्यालय के अंदर मौजूद लोग भी देखते रह गए। आपस में चर्चा करने लगे कि देखो पेंशन के लिए वृद्ध महिला यहां तक आ रही है।

ईद नजदीक आते ही बाजारों में लौटी रौनक

खरीददारी में जुटे मुस्लिम समाज के लोग

ईद के लिए सेवई की खरीदादारी करती मुस्लिम महिलाएं।

नए कपड़ों को पसंद करती मुस्लिम महिलाएं।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली के बाद अब ईद के त्योहार को लेकर शहर के बाजारों में रौनक लौट आई है। त्योहार की तैयारियों को लेकर लोग परिवार के साथ बाजारों में खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। कपड़ों व अन्य जरूरी सामान की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ दिखाई देने लगी है। खासकर युवाओं और बच्चों को कॉटन और चिकनकारी के कुर्ते भा रहे हैं। शहर के प्रमुख बाजारों में दोपहर बाद खरीददारी का सिलसिला शुरू हो जाता है। शाम होते ही बाजारों में काफी भीड़ बढ़ जाती है। देर शाम तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है। बाजारों में महिलाओं, युवतियों और युवाओं की खासी भीड़ देखने को मिल रही हैं।

पठानी सूट और स्टाइलिश कुर्तों की बाजार में धूम

कपड़ों की दुकानों पर ग्राहकों की अधिक भीड़ दिख रही है। दुकानदारों के अनुसार इस बार पारंपरिक कुर्ता-पायजामा के साथ आधुनिक डिजाइन के कुर्तों की मांग काफी बढ़ गई है। युवाओं में कॉटन के हल्के और आरामदायक कुर्तों के साथ चिकन कढ़ाई वाले कुर्तों की मांग सबसे अधिक है।

इसके अलावा शॉर्ट कुर्ते के साथ पैंट पहनने का चलन भी युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार पठानी सूट और स्टाइलिश कुर्ता-पायजामा भी युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। कई युवा नए ट्रेंड के अनुसार अलग–अलग रंगों और डिजाइन के कुर्ते खरीद रहे हैं। वहीं बच्चों के लिए भी बाजार में रंग-बिरंगे और आकर्षक डिजाइन के कुर्ता पायजामा उपलब्ध हैं जिन्हें अभिभावक बड़े उत्साह के साथ खरीद रहे हैं।

पिछले कुछ दिनों से बाजार में खरीददारी में तेजी आई है। जैसे-जैसे ईद का त्योहार नजदीक आएगा बाजारों में भीड़ और बढ़ने लगी है। रमजान के रोजों के बीच बाजारों में चहल–पहल खासकर इफ्तार के बाद देखने को मिल रही है।

रोजा खोलने के बाद लोग परिवार के साथ खरीदारी के लिए निकल रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक इस बार बाजार की शुरुआत धीरे हुई थी, लेकिन अब रफ्तार पकड़ने लगी है।

पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त 13 मार्च को होगी जारी

करोड़ों किसानों के खातों में आएंगे पैसे

यूनिक समय, मथुरा। देश के करोड़ों किसानों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 22वीं किस्त 13 मार्च को जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के गुवाहाटी से शाम पांच बजे रिमोट बटन दबाकर यह राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर करेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन बराबर किस्तों में दी जाती है। हर चार महीने में 2000 रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजे जाते हैं। 22वीं किस्त जारी होने के बाद देश के करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता मिलेगी, जिससे उन्हें खेती से जुड़े खर्चों में मदद मिल सकेगी। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि वे खेती के लिए आवश्यक बीज, उर्वरक और अन्य संसाधन आसानी से जुटा सकें। अब तक इस योजना के माध्यम से किसानों के खातों में लाखों करोड़ रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। कृषि मंत्रालय ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी ई-केवाईसी और बैंक खाते की जानकारी सही रखें, ताकि किस्त प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिन किसानों ने अभी तक ई-केवाईसी पूरी नहीं कराई है, उन्हें जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे देशभर के किसान इस महत्वपूर्ण घोषणा को देख सकेंगे।

सोमवार और बुधवार नगर पंचायत में बैठने के दिन तय हैं अधिशासी अधिकारी के

खाली कुर्सी, कैसे होगा जनता की समस्याओं का निवारण

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गंदगी, जलभराव और अतिक्रमण की समस्या से नागरिक जूझ रहे हैं, लेकिन इन समस्याओं का निदान नहीं हो रहा है। नगर पंचायत में बैठने के लिए अधिशासी अधिकारी ने दो दिन तय किए हैं, लेकिन इन दिनों में भी कुर्सी खाली पड़ी रहती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जनता की समस्याओं का निदान कौन कराएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी अधिकारियों को कार्य दिवस के दौरान सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में बैठकर जनता की समस्याओं को सुनने और उनका निदान करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों का पालन कराने की जिम्मेदारी बड़े अधिकारियों को दी गई है, लेकिन धरातल पर ऐसा कहीं नजर नहीं आ रहा है। नगर पंचायत को ही लें तो यहां अन्य दो और नगर पंचायतों का कार्यभार संभाल रहे अधिशासी अधिकारी ने बैठने के लिए स्वयं सोमवार और बुधवार का दिन तय किया है, लेकिन वह इन सप्ताह के दो दिनों में भी कार्यालय में नहीं बैठ पाते हैं। समस्या लेकर जाने वाली जनता खाली कुर्सी देखकर लौट आती है। आज भी अधिशासी अधिकारी कार्यालय में नहीं थे, कुर्सी खाली पड़ी थी, जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष के कक्ष में कुर्सी खाली थी और दो पंखे घूम रहे थे। ऐसे में समस्या लेकर गए लोग लौट गए। अधिशासी अधिकारी शिव कुमार ने बताया कि वह सरकारी काम से लखनऊ आए हैं, इसलिए आज नगर पंचायत में नहीं बैठे। वैसे वह अक्सर सोमवार और बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय में बैठते हैं।

सोमवार को फरह नगर पंचायत कार्यालय में सूनी पड़ी अधिशासी अधिकारी की कुर्सी।

कौन करेगा जन समस्याओं का निदान

फरह। कस्बा में गंदगी, जलभराव और अतिक्रमण की समस्या चरम पर है, जबकि कई मोहल्ले में पेयजल सप्लाई वाली लाइन फटी पड़ी है और हजारों लीटर पानी रोज बर्बाद हो रहा है, लेकिन इन समस्याओं का निदान नहीं हो रहा है।

जंगली जानवर को बचाने के प्रयास में पलटा ऑटो

चालक की मौत, शादी से लौट रहीं दो महिलाएं घायल

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना चित्राहाट क्षेत्र में सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में ऑटो चालक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि शादी समारोह से लौट रहीं दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा नगला ब्रज गांव के पास उस समय हुआ जब सड़क पार कर रहे एक जंगली जानवर को बचाने के प्रयास में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया।

जानकारी के अनुसार तड़के करीब 4:30 बजे पारना गांव निवासी सुनील मिश्रा (55) अपने ऑटो से दो महिलाओं शारदा देवी और पूजा के साथ इटावा के कुइयां गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। जब उनका ऑटो नगला ब्रज गांव के पास पहुंचा तभी अचानक सड़क पर एक जंगली जानवर आ गया। जानवर को बचाने के प्रयास में चालक सुनील मिश्रा ने ऑटो को तेजी से मोड़ने की कोशिश की, लेकिन वह वाहन से नियंत्रण खो बैठे। इसके चलते ऑटो सड़क पर पलट गया और उसमें सवार सभी लोग नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने आवाज सुनकर तुरंत घटना स्थल की ओर दौड़ लगाई और बचाव कार्य शुरू किया। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद ऑटो के नीचे दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने ऑटो चालक सुनील मिश्रा को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल शारदा देवी और पूजा का इलाज जारी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस दर्दनाक हादसे से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही थाना चित्राहाट पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घटना की जानकारी ली। थाना चित्राहाट की प्रभारी निरीक्षक सीमा सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोनई के समीप स्कूटी और बाइक की हुई भिड़ंत

दुर्घटना में एक युवक की मौत, दो की हालत चिंताजनक

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के सोनई के समीप बीती रात एक स्कूटी और बाइक की जोरदार हुई टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गई। इसके साथ दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक की हालत चिंताजनक होने पर आगरा रैफर कर दिया गया है। थाना गोविंदनगर की राधेश्याम कालोनी निवासी असलम (22) पुत्र साबुद्दीन बाइक से किसी काम से गांव नबीपुर गया था। उसके साथ रियाज भी था। परिजनों ने बताया कि दोनों बाइक से देर रात राधेश्याम कालोनी के लिए लौट रहे थे। सोनई के निकट तेज गति से आते स्कूटी सवार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इसके साथ ही तीनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए। वहां से गुजरते लोगों ने उन्हें घायालवस्था में पड़ा देख कर पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां युवक असलम की मौत हो गई। रियाज की चिंताजनक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे आगरा रैफर कर दिया है। स्कूटी सवार की हालत भी काफी खराब है। पुलिस ने असलम के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। असलम की मौत का पता लगने पर बड़ी संख्या में लोग पोस्टमार्टम ग्रह पर पहुंच गए। दुर्घटना में हुई असलम की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ का सेवन किया

हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई मौत

परिवार के लोगों ने हत्या करने का लगाया आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के गांव भीका गढ़ी में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी हॉस्पिटल में मौत हो गई। परिवार के लोगों की ओर से ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। थाना कोसीकलां के गांव बठैन निवासी तेज सिंह ने अपनी बेटी लक्ष्मी (20) की शादी चार जुलाई 2025 को भीका गढ़ी निवासी दिंगम्बर सिंह के साथ की थी। शादी के बाद पति-पत्नी के बीच कुछ अनबन होने लगी थी। लक्ष्मी ने इस बारे में अपने परिवार के लोगों को नहीं बताया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि कल संदिग्ध हालत में लक्ष्मी ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। लक्ष्मी की हालत बिगड़ने पर ससुरालीजनों ने उसे केडी मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया था जहां लक्ष्मी की हॉस्पिटल में इलाज को दौरान मौत हो गई। लक्ष्मी के परिवार के लोगों को इस बात का पता लगा तो वह भी अस्पताल पहुंच गए। परिवार के लोगों का कहना है कि उसकी हत्या की गई है। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोनई के समीप रविवार की रात्रि सड़क हादसे में बाइक और स्कूटी की भिड़ंत में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। दो बुरी तरह घायल हो गये। जानकारी के अनुसार असलम, रियाज निवासी राधेश्याम कालोनी थाना गोविंदनगर मथुरा बाइक संख्या यूपी 85 ए एम 7471 से मुरसान की तरफ जा रहे थे। राया हाथरस मार्ग पर कस्बा सोनई में स्कूटी चालक ब्रजेश कुमार निवासी ताजपुर थाना मुरसान जिला हाथरस की आमने सामने भिड़ंत हो गयी। जिसमें तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बिचपुरी पुलिस चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार घटना स्थल पर पहुंच गए और लोगों के सहयोग से घायलों को अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने असलम (26) पुत्र शिब्बू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

उर्दू विषय की बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई

यूनिक समय,मथुरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा सोमवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के उर्दू विषय की परीक्षा जनपद के 17 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। हाईस्कूल उर्दू विषय में 18 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 16 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी,जबकि दो विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट उर्दू विषय में नौ विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से आठ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा।

आईओपी कॉलेज के विद्यार्थियों ने निकाली 'मतदाता जागरूकता' रैली

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिन स्वयंसेवकों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली यह रैली कैमार वन बस्ती, परिक्रमा मार्ग व बाजार से होकर शिविर तक पहुंची। इसका उद्देश्य लोगों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। शिविर के चतुर्थ दिन की शुरुआत स्वयंसेवकों के स्वच्छता अभियान से हुई। बस्ती में मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया गया। डॉ. विवेक शर्मा ने मतदाता जागरूकता विषय पर प्रेरक भाषण दिया। रैली का संचालन और मार्गदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार, डॉ. अनुज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार एवं मृदुला पांडेय देख-रेख में संपन्न हुआ।

वन टाइम टैक्स न भरने पर हर महीने बढ़ेगा पांच प्रतिशत जुर्माना

परिवहन विभाग की चेतावनी, लापरवाही पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

वाहन मालिक समय रहते जमा करें बकाया टैक्स

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में अनेक वाहन ऐसे हैं जिनका वन टाइम टैक्स निर्धारित समय पर जमा नहीं किया गया है। परिवहन विभाग ने ऐसे वाहन स्वामियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समय रहते बकाया राशि नहीं भरी गई तो हर महीने पांच प्रतिशत की दर से जुर्माना बढ़ता रहेगा। इससे बाद में भुगतान करते समय भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार कई वाहन मालिक पंजीकरण के बाद देय कर को गंभीरता से नहीं लेते। निर्धारित अवधि निकलने के बाद बकाया पर अतिरिक्त शुल्क लगना शुरू हो जाता है। नियमों के अनुसार यदि किसी महीने भुगतान नहीं किया गया तो अगले महीने पांच प्रतिशत और जुड़ जाएगा। यदि किसी वाहन पर देय राशि एक महीने तक जमा नहीं होती तो उस पर पांच प्रतिशत अतिरिक्त देना पड़ेगा। दूसरे महीने भी भुगतान नहीं हुआ तो पहले जुर्माने के साथ फिर पांच प्रतिशत और जुड़ जाएगा। लगातार टालमटोल करने पर कुछ ही समय में कुल रकम काफी अधिक हो सकती है।

श्रीमद् भागवत कथा पर निकाली कलश शोभायात्रा

पुरानी कालीदह स्थितचंद्रमौलेश्वर धाम से निकाली श्रीमद भागवत कथा की कलश शोभायात्रा में शामिल भक्तों के साथ मातृ शक्ति।

यूनिक समय, वृंदावन। पुरानी कालीदह कालिंदी विहार स्थित चंद्रमौलेश्वर धाम में आज से प्रारंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा से पहले प्रातः बेला में मातृशक्ति के साथ अनेक भक्तों ने इमलीतला परिक्रमा मार्ग से लेकर कथा स्थल तक बैंड-बाजे एवं भजन कीर्तन के साथ कलश शोभायात्रा निकाली।

कथा व्यास आचार्य चंद्रप्रकाश महाराज नौ से 15 मार्च तक कथा श्रवण कराएंगे। कथा के मुख्य यजमान आगरा निवासी मनोहर चौधरी एवं सुनीता चौधरी हैं। शोभायात्रा में से छाता के पूर्व चेयरमैन जगपाल सिंह, नगर निगम पार्षद वैभव अग्रवाल, ललित शर्मा, बलराम शर्मा, राजेश चौधरी, अमित चौधरी, अरविंद गुप्ता, गोविंद खण्डेलवाल, अनिल शर्मा तथा मनोज कुमार शर्मा आदि शामिल थे।

अग्रोहा विकास ट्रस्ट समिति ने मनाया होली मिलन समारोह

अग्रोहा विकास ट्रस्ट समिति के बैनर तले आयोजित होली मिलन समारोह में पूर्व राज्यमंत्री रविकांत गर्ग के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अग्रोहा विकास ट्रस्ट समिति के बैनर तले एक होटल में आयोजित होली मिलन समारोह भजन संध्या के साथ मनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री रविकांत गर्ग एवं समिति के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। श्री गर्ग ने कहा कि अग्र समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। सभी अग्र समाज के लोग हमेशा एक जुट होकर रहें एवं एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। समारोह में सांस्कृतिक,नृत्य कार्यक्रमों पर लोग झूम उठे। इस मौके पर मूलचंद गर्ग, राजीव मित्तल, सोनू अग्रवाल, अशोक बंसल, हरिओम मांट वाले, अश्विनी गर्ग, मुकेश अग्रवाल, महेश चंद्र, वीरेंद्र अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, कल्पना, रागिनी गोयल, अतुल अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, अंकिता बंसल, अर्चना बंसल, कविता, शीतल, शिखा, ममता अग्रवाल आदि मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल ने की। संचालन सुनील अग्रवाल, बाल किशन व अनिल ने किया।

महिला दिवस पर जिले की छात्राओं का लखनऊ में हुआ सम्मान

महिला दिवस पर लखनऊ में सम्मानित होती मथुरा की छात्राएं।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लखनऊमें आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रगति आत्मसम्मान से समानता की ओर में जिले की छात्राओं और शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में मथुरा से राज्य संदर्भ समूह सदस्य एवं जिला नोडल अधिकारी दिव्या मिश्रा को भी सम्मानित किया गया। मंडल स्तर पर चयनित राया की नेहा, नौहझील की रचना तथा पानीगांव की वर्षा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने इस उपलब्धि पर कहा कि इन छात्राओं ने जिले का नाम रोशन किया है और अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हैं। उन्होंने कहा कि कदम ऐसा रखो कि निशान बन जाए, काम ऐसा करो कि पहचान बन जाए।

इस शायरी के माध्यम से छात्राओं को जागरूक किया। नवीन कुमार सिंह और कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं का मार्गदर्शन करने वाली शिक्षिकाएं मीनाक्षी शर्मा, सुमन और रजनी शर्मा को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला मीडिया प्रमुख गोवर्धन दास गुप्ता ने लखनऊ में मिले इस सम्मान पर खुशी जाहिर की।

मथुरा में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को

प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रमुख संवाददाता

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाते न्यायिक अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला जज विकास कुमार ने 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत प्रचार प्रसार के लिए जिला न्यायालय परिसर से दो प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी व पराविधिक स्वयंसेवक उपस्थित थे। प्रचार वाहनों ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस मौके पर अपर जिला जज राम किशोर पाण्डेय, अमर पाल सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह तथा अन्य न्यायिक अधिकारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव सहित सभी पदाधिकारीगण, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल आदि उपस्थित थे। सचिव अनीता सिंह ने जनमानस से अपील की है कि 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमे को चिन्हित कर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर उसका निस्तारण कराएं।

कर्मचारी की हार्ट अटैक से हुई मौत

यूनिक समय मथुरा। पीजीआईपीएल कंपनी के एक कर्मचारी ने कल दोपहर साइड पर काम करने के दौरान अचानक आए हार्ट अटैक के कारण दम तोड़ दिया। बताया गया कि गांव ओझा बराऊ थाना मुगर बस्तर बिहार निवासी विद्याचंद साहू (35) पीजीआईपीएल कमनी में इलेक्ट्रिल का काम करता था। बताया गया कि कल दोपहर करीब 12-30 बजे खाना खाने के बाद उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। उसे तेज घबराहट होने के साथ-साथ पसीने आने लगे। इस पर विद्याचंद ने कुछ समय आराम करने की साथियों से बात कही। इसके बाद उसकी हालत में सुधार आने के बजाए तेजी से बिगड़ने लगी। बताया गया कि विद्याचंद को केडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। कर्मचारी की मौत का पता लगने पर पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

होली मिलन समारोह में 51 वृद्धजनों का सम्मान

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के बैनर तले आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के बैनर तले चित्रकूट मसानी पर आयोजित होली मिलन समारोह की अध्यक्षता घनश्याम हरियाणा ने की। उमा शक्ति पीठ के स्वामी रामदेवानंद महाराज, विधायक श्रीकांत शर्मा, बाल आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, संस्थान के अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, पप्पू गौतम, शोभाराम शर्मा, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, चेतन स्वरूप पाराशर, पूर्व विधायक हुकुमचंद तिवारी, नारायण प्रसाद शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी तथा राजकुमार शर्मा ने भगवान परशुराम के चित्रपट पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ललित स्वामी की पार्टी ने ब्रज वंदनाकर की। विधायक श्रीकांत शर्मा एवं योगेश द्विवेदी ने होली गायन किया।

इस अवसर पर उमा शर्मा, देवकी केशोरिया, विष्णुकांत शास्त्री, सत्यभान शर्मा, कृष्ण वल्लभ मिश्रा, डॉ. गिरीश चंद्र शर्मा, अशोक पारीक, जगदीश सुपनिया, यज्ञ दत्त शर्मा, हेतराम, मंगल शर्मा तथा मृदुल कांत शास्त्री के साथ वृद्ध जन 11 प्रबुद्ध जन, मथुरा बार एसोसिएशन के छह पदाधिकारी, 11 कवि गण एवं साहित्यकार, चार कलाकार सहित 51 व्यक्तियों का स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केसी गौड़, राधा गोविंद पाठक, देवी प्रसाद गौड़, रमाशंकर पांडे ने हास्य कवि रचना से लोगों का मन मोह लिया। संचालन देव पाठक ने किया।

मूंग की बुवाई से पहले कृषि विभाग की तैयारी

दस गोदामों से किसानों को मिल रहा बीज

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मूंग की बुवाई का समय नजदीक आ रहा है। इसे देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। किसानों को समय पर बीज मिल सके, इसके लिए जिले के 10 सरकारी गोदामों से मूंग के बीज का बांटना शुरू कर दिया गया है। इससे किसानों को बुवाई के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। कृषि विभाग का कहना है कि अगर किसानों को समय से बीज मिल जाता है तो वे सही समय पर बुवाई कर सकते हैं और इससे फसल की पैदावार भी अच्छी होती है। विभाग ने पहले ही बीज गोदामों पर पहुंचा दिया है और किसानों को वितरण शुरू कर दिया गया है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसानों को मूंग का बीज सरकारी दर पर दिया जा रहा है। एक किसान को एक हेक्टेयर जमीन की बुवाई के लिए करीब 20 किलो मूंग का बीज दिया जा रहा है। यह बीज अच्छी गुणवत्ता का है, जिससे किसानों को बेहतर फसल मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए सभी विकास खंडों के सरकारी गोदामों पर बीज उपलब्ध करा दिया गया है। किसान अपने नजदीकी गोदाम पर जाकर आसानी से बीज ले रहे हैं। कृषि विभाग की ओर से जिले के सभी विकास खंडों के गोदामों पर मूंग का बीज उपलब्ध कराया गया है। विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बीज वितरण का काम सही तरीके से किया जाए और किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।

राजीव एकेडमी के चार एमबीए छात्रों को 7.20 लाख पैकेज पर मिला प्लेसमेंट

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के एमबीए विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। हाल ही में आयोजित ऑनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया में संस्थान के चार छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनी डाटा टेक प्रा.लि. में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को 7.20 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर सेवा का अवसर मिला है, जिससे संस्थान में खुशी और उत्साह का माहौल है।

आनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं।

कंपनी की ओर से आयोजित चयन प्रक्रिया में विद्यार्थियों की प्रबंधन क्षमता, संचार कौशल, विश्लेषणात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता का परीक्षण किया गया। यह प्रक्रिया कई चरणों में आयोजित की गई, जिसमें

प्रतिष्ठित कम्पनी डाटा टेक प्रा.लि. में मिला सेवा का शानदार अवसर

ऑनलाइन टेस्ट, समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल थे। इन सभी चरणों में छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने बताया कि इस चयन प्रक्रिया में एमबीए के चार विद्यार्थियों-अंशिका कंडवाल, मदन गोपाल शर्मा, नीरज सोनी और शिवांग वर्मा का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण और संस्थान द्वारा दिए गए उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण का परिणाम है।

डॉ. जैन के अनुसार आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और व्यावहारिक समझ भी बेहद जरूरी है। संस्थान विद्यार्थियों को इन सभी क्षेत्रों में मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास करता है, ताकि वे कॉर्पोरेट जगत की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

इस सफलता पर आरके एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल और निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगी।

स्वास्थ्य जागरूकता की मुहिम तेज

पात्र नागरिक जल्द बनवाएं आयुष्मान कार्ड

यूनिक समय, मथुरा (फरह)। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने का अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में फरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रामवीर सिंह ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। डॉ. रामवीर सिंह ने सोमवार सुबह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार का उद्देश्य योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए फरह क्षेत्र में समय-समय पर विशेष शिविर (कैंप) आयोजित किए जा रहे हैं।

70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के भी बन रहे आयुष्मान कार्ड

सीएचसी अधीक्षक ने कैंपों में पहुंचने की अपील की

उन्होंने बताया कि अब 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों के भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। डॉ. सिंह ने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनने के बाद पात्र व्यक्तियों को योजना से जुड़े सूचीबद्ध अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को इलाज के खर्च से बड़ी राहत मिलती है।

डंपर की चपेट में आने से गाय की मौत

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। हादसा देवी आटस-परखम मार्ग पर सुबह करीब पांच बजे हुआ, जब मिट्टी से भरा डंपर सड़क पार कर रही गाय को कुचलता हुआ निकल गया। टक्कर इतनी तेज थी कि गाय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना के बाद चालक डंपर लेकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आक्रोश जताते हुए मार्ग से गुजर रहे अन्य डंपरों को रोककर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध खनन के चलते रात भर तेज रफ्तार डंपर दौड़ते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मार्ग पर स्पीड ब्रेकर लगवाने और डंपरों की गति पर नियंत्रण की मांग की। बाद में जेसीबी की मदद से मृत गाय का अंतिम संस्कार कराया गया।

महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली बेटियां सम्मानित

महिला दिवस पर युवा मातृशक्ति को सम्मानित करते विधायक पूरन प्रकाश, पार्षद रेनू चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्वेता शर्मा एवं संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जागरूकता समिति की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि बलदेव क्षेत्र के विधायक पूरन प्रकाश व विशिष्ट अतिथि नगर निगम वार्ड संख्या 45 की पार्षद रेनू चौधरी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली युवतियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि यह समाज के लिए गौरव की बात है कि आज बेटियां भी अपने पैरों पर खड़ी होकर समाज में पहचान बनाने के साथ नए–नए आयाम बना रही हैं। वहीं महिला प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व पार्षद श्वेता शर्मा ने कहा कि महिला टीम ने अपने पैरों पर खड़े होकर समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली वेटियों को सम्मानित किया। संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने कहा कि हमारी समिति हमेशा से ही ऐसे लोगों को सम्मानित करती रही है। सम्मानित होने वाली बेटियों में नम्रता सिंह अंकिता शर्मा,अंजली मिश्रा, मांडवी चौधरी, पूजा वर्मा शामिल हैं। इस मौके पर पूर्व पार्षद तिलक चौधरी, गगन अग्रवाल, रवि चौधरी तथा हेमंत अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

भगवान रंगनाथ गरुड़ वाहन पर विराजमान होकर निकले

गरुड़ वाहन में सवार भगवान रंगनाथ की सवारी पूर्वी द्वार पर खड़ी हुई।

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर भारत के प्रसिद्ध रंगनाथ भगवान के दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव के तीसरे दिन सोमवार को भगवान रंगनाथ गरुड़ वाहन पर विराजमान हुए। रथ मंडप से भगवान की सवारी वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की ध्वनि के साथ पुष्करणी के समीप पूर्वी द्वार पर पहुंची। यहां करीब एक घंटे तक सवारी खड़ी रखी गई। फिर आगे बढ़ी। इससे पूर्व ब्रह्मोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार की देर शाम भगवान गोदा रंगमन्नार की सवारी रजत निर्मित हंस पर विराजमान हो कर निकली। इस अवसर पर बड़े बगीचा मैदान पर छोटी आतिशबाजी की गई। आतिशबाजी देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

पापी से पापी आत्मा को भी मुक्त करती है श्रीमद् भागवत कथा

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। बड़ी परिक्रमा मार्ग चरणामृत कुंड पर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। प्रथम दिवस संत चिन्मयानंद बापू ने कहा कि ब्रज की पावन गिरिराज तलहटी में भक्तजनों को कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। वह सभी परम सौभाग्यशाली हैं। श्रीमद् भागवत कथा ही एकमात्र ऐसी कथा है इसके अंदर जीवित व्यक्ति के साथ साथ मरे हुए व्यक्ति को भी मुक्त करने का सामर्थ है। श्रीमद् भागवत कथा कल्पतरू की तरह है जिसकी शरण में बैठने पर हमारी सारी मनोकामनाएं भागवत कथा पूर्ण करती हैं बापू ने कहा कि भागवत कथा में जो

गोवर्धन की बड़ी परिक्रमा मार्ग में निकाली शोभायात्रा में संत चिन्मयानंद बापू के साथ भक्त।

व्यक्ति जिस मंशा के साथ बैठता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर विश्व कल्याण मिशन के ट्रस्टी मुरारी लाल गोयल, कोटवन महंत माधव शरण मौनी बाबा महाराज, व्यापार मंडल के अध्यक्ष गडेश पहलवान, मयंक वैध, हनी कौशिक एवं विष्णु सैनी आदि उपस्थित थे।

बाबा साहब के जन्मोत्सव पर 14 अप्रैल को निकलेगी शोभायात्रा

पदाधिकारियों का स्वागत करते कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. बीआर अम्बेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति के तत्वावधान में भारत रत्न संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ. बीआर अम्बेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को आयोजित होने वाली पुष्पांजलि एवं शोभा यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। समिति के अध्यक्ष सूरजपाल सिंह दरोगा के नेतृत्व में मेला का आयोजन होगा। वहीं कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र कुमार निगम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश भाटिया, कोषाध्यक्ष मेराज अली ने समाज के गणमान्य व्यक्तियों को औपचारिक निमंत्रण पत्र वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने कुंज नगर, कोटा, गोपाल गढ़, बाजना, अरहेरा, बाटी, दतिया, नगला सीता, मोरा, ललित पुर, लक्ष्मन गढ़, भोजपुर, नगला अमरा, ट्रांस्पोर्ट नगर, राजीव गांधी नगर आदि जगहों पर भ्रमण कर आमंत्रण पत्र समाज के लोगों को दिए। इस अवसर पर मेला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मोहन सिंह कर्दम, नरेंद्र कुमार, अशोक प्रिया, त्रिलोकी नाथ कर्दम, ताराचंद प्रधान, बैचेन सिंह दिनकर, मोहर पाल सिंह, अशोक केसरिया, जेपी भारती, एमपी सिंह, जितेन्द्र सिंह, श्याम सिंह बौद्ध, बदन सिंह, मान सिंह दरोगा, जाटव महासभा के जिला अध्यक्ष डालचंद निगम, जिला उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तथा मेला कमेटी के पूर्व महामंत्री संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह में भजनों पर थिरके व्यापारी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की क्षेत्रीय इकाई सौंख अड्डा व्यवसाय समिति का होली मिलन समारोह चंपा अग्रवाल बाल मंदिर में आयोजित किया गया। सौंख अड्डा व्यवसाय समिति के अध्यक्ष एवं महानगर महामंत्री राजेश गोयल ने बताया कि मथुरा-वृंदावन क्षेत्र के विधायक श्रीकांत शर्मा एवं राधे–राधे संकीर्तन ने भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक प्रणतपाल सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष गुलबीर चौधरी, महानगर अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी, युवा महानगर अध्यक्ष मानिक शर्मा,जिला महामंत्री अंशुल अग्रवाल, जिला मीडिया प्रभारी विपुल पारीक, महानगर महामंत्री सचिन अरोरा, महानगर मीडिया प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा पिंटू, महानगर उपाध्यक्ष ताराचंद्र अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अभिषेक मिश्रा, संतोष चौधरी, मुनीष गर्ग, मुनीश गौतम तथा बृजेश अग्रवाल आदि व्यापारी उपस्थित थे।

सौंख अड्डा व्यवसाय समिति के होली मिलन समारोह में व्यापारियों के साथ भजन गाते विधायक श्रीकांत शर्मा।

गर्मी में सेहत का खजाना है एक गिलास छाछ पीना

यूनिक समय, मथुरा। एक गिलास छाछ चाहे सादा हो या मसालेदार गर्मी का मौसम आते ही आपके पेट के लिए बेहतरीन इलाज है। लंच या डिनर के बाद इसे पीने से न केवल पाचन में सुधार होता है बल्कि एसिडिटी से भी बचाव होता है। यह अद्भुत पेय क्रीम से मक्खन बनाने की प्रक्रिया में उप–उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है। यह प्रोबायोटिक गुणों से भरपूर है और तापमान बढ़ने पर आपके आंत के स्वास्थ्य को शीर्ष आकार में रख सकता है।

कोई भी छाछ जैसा है वैसा ही ले सकता है या इसके स्वास्थ्य लाभों को और बेहतर बनाने के लिए इसमें काली मिर्च, धनिया पाउडर, काला नमक, सूखे अदरक जैसे कुछ मसाले मिला सकते हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आंत से संबंधित समस्याओं के इलाज के लिए आयुर्वेद में हजारों वर्षों से छाछ का उपयोग एक पारंपरिक उपचार के रूप में किया जाता रहा है। कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन बी 12 का भंडार, छाछ में लैक्टिक एसिड होता है जिसमें रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। यह आपके वजन घटाने की यात्रा में भी उपयोगी हो सकता है क्योंकि यह पोषक तत्वों से भरपूर कम कैलोरी वाला स्नैक है। गर्मियों में छाछ पीना अच्छा होता है क्योंकि यह पोटेशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर में द्रव संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

एक्सपर्ट्स की मानें तो, 'छाछ प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जिसे आपके शरीर को स्वस्थ मांसपेशियों, त्वचा और हड्डियों के निर्माण की आवश्यकता होती है। यह दूध की तुलना में कैलोरी में भी कम है और कैल्शियम, विटामिन बी 12 और पोटेशियम में उच्च है। छाछ का सेवन किसी भी समय किया जा सकता है।'

छाछ पीने के कुछ अद्भुत लाभ इस प्रकार हैं–

पाचन क्रिया को बढ़ाता है

यह हमारे पाचन तंत्र के लिए वरदान है। छाछ में स्वस्थ बैक्टीरिया और लैक्टिक एसिड पाचन में मदद करता है और हमारे मेटाबॉलिज्म में सुधार करता है।

आईबीएस का इलाज करता है

छाछ पाचन में सहायता करता है और इसमें मौजूद एसिड की वजह से आपके पेट को साफ करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) जैसी पेट की कई बीमारियों की शुरुआत को कम किया जा सकता है।

अम्लता रोकता है

छाछ पीने से एसिडिटी से लड़ने में मदद मिल सकती है। सूखे अदरक या काली मिर्च जैसे मसालों को जोड़ने से इसके गुणों में और सुधार हो सकता है और अम्लता को रोका जा सकता है।

एसिड भाटा में मदद करता है

यह शरीर पर विशेष रूप से पाचन तंत्र पर शीतलन प्रभाव प्रदान करता है और एसिड रिफ्लक्स के कारण होने वाली पेट की परत में जलन को कम करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है

एक मजबूत इम्युनिटी की नींव एक स्वस्थ आंत है और छाछ स्वस्थ आंत वनस्पति के विकास को प्रोत्साहित करती है जो पाचन से लेकर प्रतिरक्षा तक सब कुछ सुधारने में मदद करती है।

याददाश्त बढ़ाने के लिए रामबाण हैं खाने की ये चीजें

यूनिक समय, मथुरा। दिमाग शरीर का सबसे जटिल और आवश्यक अंग है। हमारा दिमाग शरीर में सांस लेने से लेकर कई जटिल प्रक्रियाओं जैसे सोचने, महसूस करने और याद रखने तक हर काम को नियंत्रित करता है। उम्र के हर पड़ाव पर दिमाग में कई परिवर्तन होते हैं जो हमारी याददाश्त और मानसिक क्षमताओं को प्रभावित करते हैं। हालांकि, ऐसी कई चीजें हैं जिसके प्रयोग से हम बढ़ती उम्र के साथ दिमाग में होने वाले इन बदलाव पर नियंत्रण कर सकते हैं। खाने की ये कुछ खास चीजें दिमाग की सेहत को दुरुस्त करने में सहायक होती हैं।

मछली

मछली ओमेगा –3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत है जो दिमाग के काम और विकास के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा –3 फैटी एसिड मस्तिष्क की कोशिका झिल्ली बनाने में मदद करते हैं और इन कोशिकाओं के बीच संचार में सुधार करते हैं, जो याददाश्त में सुधार करने में मदद करते हैं। वहीं, एक अध्ययन में यह बात भी सामने आई है कि नियमित रूप से ओमेगा–3 फैटी एसिड का सेवन करने से अल्जाइमर रोग के जोखिम भी कम होता है।

ब्लूबेरी : ब्लूबेरी को उसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट के कारण 'ब्रेन बेरी' भी कहा जाता है जो मस्तिष्क को तनाव से बचाने में मदद कर सकते हैं। इनमें फ्लेवोनॉयड्स भी होते हैं जो कमजोर होती याददाश्त में सुधार करते हैं। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड फूड केमिस्ट्री में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, नियमित रूप से ब्लूबेरी का सेवन करने से याददाश्त और दिमाग के सीखने की क्षमता में सुधार कर होता है।

हल्दी : हल्दी आमतौर पर भारतीय व्यंजनों में इस्तेमाल होने वाला एक मसाला है जिसमें करक्यूमिन होता है, जो शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों वाला एक यौगिक है। जर्नल ऑफ साइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार नियमित रूप से हल्दी का सेवन करने से याददाश्त और ध्यान में सुधार हो सकता है।

अंडे : अंडे कोलाइन का एक अच्छा स्रोत हैं, यह पोषक तत्व मस्तिष्क के कार्य और विकास के लिए आवश्यक होता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, नियमित रूप से कोलीन का सेवन से दिमाग की मैमोरी में अप्रत्याशित सुधार होता है।

जामुन : जामुन में फ्लेवोनोइड्स उच्च मात्रा में होते हैं जो मैमोरी में सुधार कर सकते हैं। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड फूड केमिस्ट्री में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार नियमित रूप से जामुन का सेवन भी मैमोरी को कमजोर नहीं होने देता है साथ ही वह मस्तिष्क के संज्ञानात्मक कार्य में सुधार कर सकता है और संज्ञानात्मक गिरावट के जोखिम को कम कर सकता है।

पत्तेदार साग—सब्जी : पत्तेदार साग जैसे पालक, केल, और कोलार्ड साग फोलेट, विटामिन ई और विटामिन के जैसे पोषक तत्वों से भरे होते हैं जो मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं। जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, पत्तेदार साग के नियमित सेवन से दिमाग के ज्ञान–संबंधी कार्य में सुधार हो सकता है और यह मानसिक क्षमता के गिरावट को भी धीमा कर सकता है।

चॉकलेट : डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनॉयड्स होते हैं जो मस्तिष्क के ज्ञान–संबंधी क्षमता में सुधार कर सकते हैं। साथ ही, यह मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ा सकते हैं। जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, नियमित रूप से डार्क चॉकलेट का सेवन करने से याददाश्त और मूड में भी सुधार हो सकता है।

नट्स: नट और बीज विटामिन ई के उच्च स्रोत हैं, एक एंटीऑक्सिडेंट जो दिमाग को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद कर सकता है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, विटामिन ई से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे नट्स और बीजों का सेवन, मस्तिष्क के ज्ञान–संबंधी क्षमता में सुधार कर सकता है।

खाने की इन चीजों का नियमित रूप से सेवन करने से मैमोरी पावर को सुधार करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह भी जरूरी है कि अगर आपको दिमाग से संबंधित जैसे मैमोरी लॉस या मानसिक क्षमता में कुछ गिरावट हो रही है तो सिर्फ हेल्दी फूड से यह पूरी तरह ठीक नहीं हो सकता है। इसके लिए डॉक्टर की सलाह के साथ स्वस्थ जीवन शैली, नियमित रूप से व्यायाम, पर्याप्त नींद लेना बेहद जरूरी है।

रोज–रोज पोहा खाना सेहत पर पड़ सकता है भारी

यूनिक समय, मथुरा। भारत में नाश्ते का एक विशेष महत्व है। यूं तो भारतीय रसोई में नाश्ते के लिए पराठे, सब्जी–पूरी और न जाने कितनी चीजें खाने के लिए बनती हैं, लेकिन खाने की इस लिस्ट में पोहा का एक विशेष स्थान है। जब भी कुछ हेल्दी या हल्का–फुल्का खाने की बात आती है तो पोहा लोगों की पहली पसंद के तौर पर सामने आता है। इसी एक वजह यह भी है कि पोहा मिनटों में तैयार हो जाता है और स्वाद होने के कारण रोज–रोज इसको खाने में कोई प्रॉब्लम भी नहीं होती।

पेट संबंधी रोगों का बन सकता है कारण

पोहा बनाने में यूं तो भारतीय रसोई में रखे ज्यादातर मशालों का इस्तेमाल होता है, लेकिन मूंगफली के दाने, आलू, अनार दाना और पाज जैसी चीजें पोहा के स्वाद को कई गुना बढ़ा देती हैं। जैसा कि आप जानते हैं पोहा बनाने में चूरा यानी चपटे चावलों का इस्तेमाल किया जाता है। यूं तो पोहा खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसका अधिक मात्रा में सेवन या रोज–रोज खाना आपकी स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है।

क्योंकि पोहा का ज्यादा सेवन आप एसिडिटी की समस्या का शिकार हो सकते हैं। यही नहीं चावल से बनने के कारण पोहे का रोजाना सेवन आपके ब्लड सुगर लेवल को बढ़ा सकता है।

मोटापे का बन सकता है कारण

पोहे के ज्यादा इस्तेमाल से आपकी बॉडी में ऐंठन और दर्द जैसी समस्या हो सकती है।

यही नहीं क्योंकि पोहे में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी कम होती है, इसलिए इसके ज्यादा सेवन से आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं। पोहे में डलने वाली मूंगफली और आलू मोटापे की समस्या को और ज्यादा बढ़ा सकती है। पोहे का ज्यादा सेवन आयरन की अधिकता पैदा कर सकता है, जिसकी वजह से आप उल्टी, दस्त व डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं।

कपल्स के लिए रोमांस का स्वर्ग है केरल हाउसबोट

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप अपने पार्टनर के साथ प्रकृति की गोद में कुछ सुकून भरे और यादगार पल बिताना चाहते हैं, तो दक्षिण भारत का खूबसूरत राज्य केरल आपके लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन साबित हो सकता है। यहां के शांत बैकवॉटर्स में तैरती हाउसबोट्स कपल्स को एक ऐसा अनुभव देती हैं, जिसे वे जीवनभर याद रखते हैं। हरियाली, पानी की धीमी लहरें और रोमांटिक माहौल के बीच हाउसबोट में बिताया गया समय किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं लगता।

केरल को अक्सर "गॉड्स ओन कंट्री" यानी ईश्वर का अपना देश कहा जाता है। यहां के बैकवॉटर्स में चलने वाली हाउसबोट्स दरअसल लग्जरी नावें होती हैं, जिन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि इनमें होटल जैसी सभी सुविधाएं मिल सकें। इन हाउसबोट्स में एसी बेडरूम, अटैच बाथरूम, डाइनिंग एरिया, आरामदायक बैठने की जगह और कई बार प्राइवेट बालकनी भी होती है।

केरल में हाउसबोट स्टे के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थान अलेप्पी और कुमारकोम हैं। यहां की शांत जलधाराएं, नारियल के पेड़ों की कतारें और दूर तक फैली हरियाली इस यात्रा को बेहद खास बना देती हैं।

हाउसबोट का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी प्राइवेसी है। भीड़भाड़ से दूर, पानी के बीच तैरती नाव पर सिर्फ आप और आपका पार्टनर–यह अनुभव किसी भी कपल के लिए बेहद रोमांटिक होता है। सुबह की ठंडी हवाएं, शाम का सुनहरा सनसेट और रात में पानी पर पड़ती चांदनी इस जगह को और भी खूबसूरत बना देती है।

हाउसबोट पर आपको ताजा बना हुआ पारंपरिक केरल भोजन भी परोसा जाता है। इसमें अप्पम और स्टू, केरल फिश करी, नारियल से बनी सब्जियां और कई अन्य स्थानीय व्यंजन शामिल होते हैं। कई हाउसबोट्स में कपल्स के लिए खास कैंडल लाइट डिनर की व्यवस्था भी की जाती है, जो रोमांटिक माहौल को और खास बना देता है।

हाउसबोट में रहने के दौरान पर्यटकों को कई आधुनिक सुविधाएं मिलती हैं, जैसे एसी बेडरूम, प्राइवेट डेक, अटैच बाथरूम और 24 घंटे स्टाफ सर्विस। कुछ प्रीमियम हाउसबोट्स में जकूजी, हनीमून डेकोरेशन और विशेष फोटो शूट की भी सुविधा मिलती है।

केरल में हाउसबोट का आनंद लेने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच माना जाता है। हालांकि मानसून के दौरान भी यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली देखने लायक होती है, साथ ही उस समय हाउसबोट का किराया भी अपेक्षाकृत कम रहता है।

जहां सामान्य हाउसबोट का किराया लगभग 8,000 से 12,000 रुपये प्रति रात तक होता है, वहीं लग्जरी कपल हाउसबोट का किराया 15,000 से 30,000 रुपये प्रति रात तक हो सकता है। यह कीमत सुविधाओं और सीजन के अनुसार बदलती रहती है।

यात्रा पर जाने से पहले हाउसबोट की एडवांस बुकिंग कर लेना बेहतर होता है। कपल्स के लिए प्राइवेट हाउसबोट चुनना ज्यादा आरामदायक और रोमांटिक अनुभव देता है। साथ ही सनसेट के समय डेक पर बैठकर बैकवॉटर्स का नजारा जरूर लेना चाहिए। कुल मिलाकर, केरल का हाउसबोट स्टे सिर्फ एक ट्रिप नहीं, बल्कि जिंदगी के सबसे खूबसूरत और रोमांटिक पलों का अनुभव है।

सुविचार

बहाने बनाने से आसान है, मेहनत करके मंजिल पाना।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	11:27-01:54 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	अनुराधा	04:11-07:05 तक	माह	चैत्र	
सूर्योदय		06:44 AM	चन्द्रोदय	12:51 PM	
सूर्यास्त		06:30 PM	चंद्रास्त	11:28 AM	
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि	
शुभ मुहूर्त		12:08PM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082	
राहुकाल		03:30 PM:05:01PM	वार	मंगलवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

19 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत

मां दुर्गा की पालकी सवारी क्या दे रही है भविष्य के संकेत?

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र माह के आगमन के साथ ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है और इसी के साथ कई प्रमुख धार्मिक पर्व भी शुरू हो जाते हैं। इन पर्वों में सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व चैत्र नवरात्रि माना जाता है। वर्ष 2026 में चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ 19 मार्च से होगा और 27 मार्च को रामनवमी के साथ इसका समापन होगा। इन नौ दिनों में भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा करते हैं और उपवास रखकर देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 मार्च को सुबह 6 बजकर 52 मिनट से शुरू होगी और 20 मार्च को सुबह 4 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। इसलिए नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च से ही मानी जाएगी। इस दौरान देशभर के मंदिरों और घरों में देवी दुर्गा की आराधना का विशेष माहौल देखने को मिलेगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा पृथ्वी पर अपने भक्तों को आशीर्वाद देने आती हैं। हर वर्ष उनकी सवारी अलग-अलग मानी जाती है और उसी के आधार पर वर्ष के संकेत भी बताए जाते हैं।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, इस बार नवरात्रि गुरुवार से शुरू हो रही है, इसलिए देवी का आगमन 'पालकी' (डोली) पर माना जा रहा है।

देवी पुराण में वर्णित मान्यताओं के मुताबिक, जब नवरात्रि गुरुवार या शुक्रवार से शुरू होती है, तो मां दुर्गा का आगमन पालकी पर माना जाता है। इसे पारंपरिक रूप से बहुत शुभ संकेत नहीं माना जाता। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, पालकी पर आगमन का अर्थ यह हो सकता है कि वर्ष के दौरान सामाजिक और आर्थिक स्तर पर कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

कुछ मान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि ऐसे समय में देश की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक मंदी जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं। इसके अलावा प्राकृतिक असंतुलन या आपदाओं की संभावना भी बढ़ने की बात कही जाती है। कुछ ज्योतिषीय व्याख्याओं में इसे बीमारियों या महामारी के फैलने की आशंका से भी जोड़ा जाता है, हालांकि यह पूरी तरह धार्मिक मान्यताओं पर आधारित आकलन माना जाता है।

नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं को कई नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। इस समय मांस, मदिरा, प्याज और लहसुन जैसे तामसिक भोजन से दूर रहने की परंपरा है। साथ ही, किसी का दिल न दुखाने, अपशब्द न बोलने और शुद्ध आचरण रखने पर विशेष जोर दिया जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा और संयम से मां दुर्गा प्रसन्न होकर भक्तों को सुख-समृद्धि और रक्षा का आशीर्वाद देती हैं।

कल का राशिफल

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। यदि आप समझदारी से बजट बनाकर चलेंगे तो आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रहेगी। परिवार के प्रति प्रेम और त्याग की भावना बनी रहेगी। स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही न करें और माता-पिता का आशीर्वाद आपको किसी रुके हुए काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है।

वृषभ राशि: आज वृषभ राशि के लोग आय बढ़ाने के नए रास्तों पर ध्यान देंगे। निवेश, विशेषकर शेयर बाजार से जुड़े मामलों में भविष्य में लाभ के संकेत मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके काम से अधिकारी खुश रहेंगे और आपकी मेहनत रंग लाएगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों को आज हर काम सोच-समझकर करने की जरूरत है। करियर से जुड़ी कोई समस्या दूर हो सकती है। परिवार में बच्चों की किसी इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे और नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

कर्क राशि: आज कर्क राशि के लोग अपने व्यवहार से दूसरों का विश्वास जीतने में सफल रहेंगे। समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा और विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक मेहनत करनी होगी।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों को आज अपने कामों में लापरवाही से बचना चाहिए। व्यापार और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। स्वास्थ्य, खासकर आंखों से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करें और विवाद से बचने की कोशिश करें।

कन्या राशि: कन्या राशि के लिए आज का दिन उपलब्धि भरा हो सकता है। लंबे समय से चल रही मेहनत का परिणाम मिल सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों को आज अनुशासन और मेहनत से काम करना होगा। बेवजह के विवादों से दूर रहना बेहतर रहेगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक राशि: आज वृश्चिक राशि के लोगों की प्रतिभा निखरकर सामने आएगी। पढ़ाई और अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। पुराने लेन-देन से जुड़ा कोई मामला भी सुलझ सकता है।

धनु राशि: धनु राशि वालों को परिवार से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेने चाहिए। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और माता की सेहत का विशेष ध्यान रखें।

मकर राशि: मकर राशि के लिए दिन सामान्य रहेगा। नए संपर्क लाभदायक हो सकते हैं। निवेश से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के लोगों के जीवन स्तर में सुधार के संकेत हैं। व्यापार में उतार-चढ़ाव के बाद सफलता मिल सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए शुभ रहेगा।

मीन राशि: मीन राशि के लोग आज आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और जीवनसाथी का सहयोग आपको सफलता दिलाने में मदद करेगा।

ज्योतिष के अनुसार मांगलिक दोष तीन प्रकार के होते हैं

इस दोष से आती है विवाह में परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिषाचार्य पं. बनवारी लाल गौड़ के अनुसार अगर दोनों में से किसी एक की भी कुंडली में मांगलिक दोष हो तो विवाह नहीं किया जाता है। विवाह के लिए युवक-युवती दोनों का मांगलिक होना जरूरी है, नहीं तो भविष्य में की किसी अनिष्ट की आशंका बनी रहती है। हालांकि ये बात तो सभी जानते हैं लेकिन मांगलिक कुंडली भी तीन प्रकार की होती है ये बात बहुत कम लोगों को पता होती है।

ज्योतिष इस बात को भली-भांति जानते हैं। ये तीन प्रकार हैं- सामान्य मांगलिक, द्विबल मांगलिक और त्रिबल मांगलिक।

सामान्य मांगलिक कुंडली : जब किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में मंगल ग्रह 1, 4, 7, 8, 12वें भाव में से किसी भी भाव में होता है तो ऐसी कुंडली सामान्य मांगलिक कहलाती है।

द्विबल मांगलिक कुंडली : जब किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में मंगल 1, 4, 7, 8, 12वें भाव में होने के साथ-साथ अपनी नीच राशि कर्क का भी हो तो मंगल का दुष्प्रभाव दोगुना हो जाता है। या 1, 4, 7, 8, 12वें भावों में मंगल के अलावा सूर्य, शनि, राहु-केतु में से कोई ग्रह बैठा हो तो जन्मकुंडली द्विबल मांगलिक हो जाती है।

त्रिबल मांगलिक कुंडली: जब किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में मंगल 1, 4, 7, 8, 12वें भाव में होने के साथ-साथ अपनी नीच राशि कर्क का हो तथा इन्हीं भावों में शनि, राहु, केतु भी बैठे हों तो मंगल का दुष्प्रभाव तीन गुना हो जाता है। ऐसी जन्मकुंडली त्रिबल मांगलिक कहलाती है।

मांगलिक दोष के उपाय

मांगलिक दोष के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह लेनी चाहिए, नहीं तो विवाह में परेशानी आ सकती है। इसके अलावा आगे बताए गए सामान्य उपाय भी किए जा सकते हैं....

- मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए मांगलिक लोगों को भगवान शिव और हनुमान जी की आराधना करनी चाहिए।
- मांगलिक दोष के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए मंगल का रत्न मूंगा धारण करना चाहिए।
- गेहूं, मसूर की दाल, तांबा, सोना, लाल फूल, लाल वस्त्र, लाल चंदन, केसर, कस्तूरी, लाल बैल, भूमि आदि का दान करना चाहिए।
- मंगलवार को हनुमानजी को चोला चढ़ाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- पानी में लाल चंदन या थोड़ा सा कुंकुम पाउडर डालकर स्नान करें।
- मंगल यंत्र की स्थापना अपने घर में करें और रोज इसकी पूजा करें।

घर में जरूर रखें ये चीजें, बरसेगा धन और सुख-समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुछ चीजें रखने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं।

उत्तर-पूर्व दिशा का ध्यान रखें- इस दिशा में भारी सामान या कबाड़ न रखें। यहां नीले कांच के बर्तन में पानी भरकर रखें और चांदी की डिब्बी रखना शुभ माना जाता है।

मुख्य द्वार पर शुभ चिन्ह लगाएं -मेन गेट पर ओम, स्वास्तिक, शंख, कमल या मछली का चिन्ह लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है।

कमलगट्टे की माला- इसे घर के मंदिर में चढ़ाकर तिजोरी में रखने से धन की कमी नहीं रहती।

शनिवार के उपाय- पीपल के पेड़ पर कच्चा दूध, चीनी और घी अर्पित करें, साथ ही चना और गुड़ चढ़ाने से घर में शुभता बनी रहती है।

गोमती चक्र - 11 गोमती चक्र पीले कपड़े में लपेटकर तिजोरी में रखने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

सम्पादकीय

मशीनों के शोर में दब गया शिल्पकारों का हुनर

भारत में जब भी विकास की चर्चा होती है, तो अक्सर चमचमाती इमारतें, चौड़ी सड़कें और डिजिटल क्रांति की बातें सामने आ जाती हैं। लेकिन इस शोरगुल के बीच एक शांत दुनिया भी है–भारतीय शिल्पकारों की दुनिया–जो सदियों से अपने हाथों की कला से संस्कृति को जीवित रखे हुए है। विडंबना यह है कि जिस देश की पहचान कभी उसके हस्तशिल्प और कारीगरों से होती थी, वहीं आज ये शिल्पकार विकास की दौड़ में अक्सर पीछे छूटते दिखाई देते हैं। भारतीय शिल्प परंपरा की जड़ें हजारों वर्षों पुरानी हैं। यह परंपरा दो मूल जरूरतों से विकसित हुई–धार्मिक और सामाजिक आवश्यकताएं तथा मनुष्य के दैनिक जीवन की जरूरतें। इसी कारण यहां लोक शिल्प से लेकर अत्यंत

पवन गौतम
संपादक

विशिष्ट और कलात्मक शिल्प तक की लंबी परंपरा देखने को मिलती है। कभी गांवों में महिलाएं कशीदाकारी करती थीं, तो कहीं मिट्टी, लकड़ी और पत्थर से ग्रामदेवताओं की मूर्तियां बनती थीं। त्योहारों के अवसर पर ये शिल्प केवल सजावट नहीं होते थे, बल्कि संस्कृति और आस्था का प्रतीक भी बन जाते थे। धार्मिक स्थलों के आसपास विकसित हुए शिल्पों ने भी भारतीय कला को समृद्ध बनाया। वाराणसी और कांजीवरम के वस्त्र, पुरी के पटचित्र या लकड़ी की नक्काशी–ये सभी इस बात के उदाहरण हैं कि आस्था और कला का मेल कितना सुंदर हो सकता है। इन शिल्पों में केवल कौशल नहीं, बल्कि परंपरा, श्रद्धा और पीढ़ियों का अनुभव भी शामिल होता है। तीसरी श्रेणी व्यावसायिक शिल्पों की है, जहां विशेष कौशल वाले कारीगर वर्षों की साधना से अपनी कला को निखारते हैं। राजस्थान और कच्छ की अजरख छपाई जैसी तकनीकें इसका प्रमाण हैं। इन शिल्पों में इतनी बारीकी और धैर्य की आवश्यकता होती है कि आधुनिक मशीनें भी कई बार उनकी बराबरी नहीं कर पातीं। महात्मा गांधी ने इस सच्चाई को बहुत पहले समझ लिया था। उन्होंने देखा कि भारत की असली ताकत गांवों और शिल्पकारों में छिपी है। इसी सोच से उन्होंने ग्रामोद्योग को बढ़ावा दिया और चरखे को स्वावलंबन का प्रतीक बनाया। चरखा केवल सूत कातने का साधन नहीं रहा, बल्कि वह स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बन गया–एक ऐसा प्रतीक, जिसने यह संदेश दिया कि आत्मनिर्भरता ही असली स्वतंत्रता है। लेकिन आज स्थिति कुछ अलग है। मशीनों से बनने वाले सस्ते उत्पादों ने पारंपरिक शिल्पों को चुनौती दी है। विकास की योजनाओं में बड़े उद्योगों के लिए जगह तो मिल जाती है, लेकिन कारीगरों की कला अक्सर हाशिए पर रह जाती है। सच तो यह है कि यदि स्थानीय संसाधनों से बनने वाले इन शिल्पों को उचित प्रोत्साहन मिले, तो वे न केवल संस्कृति को जीवित रख सकते हैं, बल्कि बेरोजगारी और गरीबी को कम करने में भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। शायद समय आ गया है कि हम विकास की परिभाषा में एक बार फिर चरखे की धीमी लेकिन सशक्त आवाज को भी शामिल करें।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

संस्कार, जिम्मेदारी और बचत की सीख

बोध प्रकाश सगुणी

बच्चों का व्यक्तित्व केवल किताबों से नहीं, बल्कि उनके व्यवहार, आदतों और संस्कारों से भी बनता है। इन्हीं महत्वपूर्ण आदतों में से एक है चीजों को सहेजकर रखने और उनका सम्मान करने की आदत। आज के उपभोक्तावादी दौर में जब वस्तुएं आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं और उनका उपयोग भी अक्सर अस्थायी रूप से होता है, तब बच्चों में सहेजने और संरक्षण की प्रवृत्ति विकसित करना और भी आवश्यक हो गया है। यह केवल वस्तुओं की सुरक्षा भर नहीं है, बल्कि संसाधनों के महत्व को समझने, मितव्ययिता अपनाने और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में पहला कदम भी है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि बच्चों में किसी भी अच्छी आदत का विकास घर से ही प्रारंभ होता है। परिवार बच्चे का पहला विद्यालय होता है और माता–पिता उसके पहले शिक्षक। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि घर के बड़े लोग अपनी वस्तुओं को व्यवस्थित रखते हैं, संसाधनों का संयमित उपयोग करते हैं और अनावश्यक खर्च से बचते हैं, तो बच्चे भी स्वाभाविक रूप से इन्हीं आदतों को अपनाने लगते हैं। इसके विपरीत यदि घर में लापरवाही और अव्यवस्था का वातावरण हो, तो बच्चों में भी ऐसी ही प्रवृत्तियां विकसित हो सकती हैं।

बचपन से ही बच्चों को छोटी–छोटी जिम्मेदारियां देकर उन्हें सहेजने और व्यवस्थित रहने की आदत सिखाई जा सकती है। जैसे खेल खत्म होने के बाद खिलौनों को उनकी जगह पर रखना, पढ़ाई के बाद किताबों को ठीक से शेल्फ में रखना या कपड़ों को तह करके अलमारी में रखना। शुरुआत में यह कार्य बच्चों को कठिन लग सकते हैं, लेकिन निरंतर अभ्यास से यही आदतें उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

बच्चों को संसाधनों के महत्व के बारे में समझाना भी बहुत जरूरी है। पानी, बिजली, भोजन और धन जैसी चीजें सीमित संसाधन हैं, जिन्हें सोच–समझकर उपयोग करना चाहिए। यदि बच्चों को यह बताया जाए कि पानी की एक–एक बूंद कितनी मूल्यवान है या बिजली की बचत से पर्यावरण को कितना लाभ होता है, तो उनमें जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। इसी तरह उन्हें यह भी समझाना चाहिए कि किसी भी वस्तु के पीछे किसी का परिश्रम, समय और संसाधन लगे होते हैं। जब बच्चे यह समझने लगते हैं कि चीजें मेहनत से प्राप्त होती हैं, तो वे उन्हें अधिक सावधानी से उपयोग करने लगते हैं।

परिवार के साथ–साथ विद्यालय की भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कूल केवल शिक्षा देने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र भी होते हैं। यदि विद्यालयों में स्वच्छता, अनुशासन और व्यवस्था से जुड़ी गतिविधियों को नियमित रूप से शामिल किया जाए, तो बच्चों में यह आदतें और मजबूत हो सकती हैं। उदाहरण के लिए कक्षा में स्वच्छता अभियान, पुस्तकालय में किताबों को व्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी या पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम बच्चों को व्यावहारिक रूप से सीखने का अवसर देते हैं।

बच्चों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन का भी बड़ा महत्व होता है। जब बच्चा किसी वस्तु को संभालकर रखता है या जिम्मेदारी से कोई काम करता है, तो उसकी प्रशंसा करना जरूरी है। इससे उसके भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है और वह भविष्य में भी ऐसे ही कार्य करने के लिए प्रेरित होता है। हालांकि यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रोत्साहन केवल पुरस्कार या उपहार तक सीमित न हो, बल्कि शब्दों की सराहना और भावनात्मक समर्थन भी उतना ही प्रभावी होता है।

आज के समय में तकनीक और उपभोक्तावाद का प्रभाव भी बच्चों की आदतों को प्रभावित कर रहा है। अक्सर बच्चों को नई चीजें आसानी से मिल जाती हैं, जिससे पुरानी वस्तुओं का महत्व कम हो जाता है। ऐसे में अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को हर चीज तुरंत उपलब्ध न कराई जाए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि वस्तुओं का उपयोग सोच–समझकर और जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए।

बच्चों में बचत की आदत विकसित करने के लिए भी कई रोचक उपाय अपनाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए गुल्लक में पैसे जमा करने की आदत बच्चों को मितव्ययिता और योजना बनाकर खर्च करने की सीख देती है। इसी तरह उन्हें घर के छोटे–छोटे कार्यों में शामिल करना, जैसे बगीचे में पौधों को पानी देना या घर की सफाई में सहयोग करना, उन्हें जिम्मेदारी का एहसास कराता है।

साथ ही यह भी जरूरी है कि बच्चों के साथ संवाद बनाए रखा जाए। कई बार बच्चे वस्तुओं को संभालकर रखने के महत्व को तुरंत नहीं समझ पाते। ऐसे में उन्हें डांटने या सख्ती करने के बजाय प्यार और धैर्य से समझाना अधिक प्रभावी होता है। धीरे–धीरे वे यह समझने लगते हैं कि व्यवस्था और संरक्षण केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन को आसान और संतुलित बनाने का तरीका है।

हमारी संस्कृति और परंपराओं में भी सहेजने और संरक्षण की भावना गहराई से जुड़ी रही है। पुराने समय में लोग वस्तुओं का उपयोग लंबे समय तक करते थे और उन्हें संभालकर रखने की परंपरा थी। कपड़ों से लेकर घरेलू सामान तक हर चीज का उपयोग सोच–समझकर किया जाता था। यह परंपरा केवल आर्थिक कारणों से नहीं, बल्कि संसाधनों के सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना से जुड़ी थी।

आज जब पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की बात हो रही है, तब बच्चों में सहेजने की आदत विकसित करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि बचपन से ही उन्हें यह सिखाया जाए कि संसाधनों का उपयोग सीमित है और उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है, तो वे भविष्य में अधिक संवेदनशील और जागरूक नागरिक बन सकते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि बच्चों में चीजों को सहेजकर रखने की आदत केवल एक व्यवहारिक कौशल नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों का हिस्सा है। परिवार, विद्यालय और समाज के सामूहिक प्रयासों से यह आदत बच्चों में सहज रूप से विकसित की जा सकती है। जब बच्चे छोटी–छोटी चीजों का महत्व समझने लगते हैं, तब वे जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता जैसे गुण भी सीखते हैं।

यही संस्कार उन्हें भविष्य में न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और सजग नागरिक बनने की दिशा में भी मार्गदर्शन देते हैं।

विचार विण्डो

युद्ध की आग और दुनिया की खामोश कूटनीति

राम कुमार अग्रवाल

पश्चिम एशिया एक बार फिर उस पुराने नाटक का मंच बन गया है, जिसमें बारूद असली होता है और शांति केवल भाषणों में दिखाई देती है। पिछले एक सप्ताह से अमरीका–इजरायल और ईरान के बीच जारी टकराव अब ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है, जहां दोनों पक्षों के पास तलवारें तो हैं, लेकिन म्यान कहीं खो गई है। हालात ऐसे बन गए हैं कि लड़ाई शुरू करने वाले भी अब शायद यह सोच रहे होंगे कि आखिर इसे खत्म कैसे किया जाए। मगर विडंबना यह है कि दुनिया के बड़े–बड़े कूटनीतिक दिमाग फिलहाल ऐसे चुप बैठे हैं, जैसे यह कोई टीवी सीरियल हो, जिसका अगला एपिसोड देखने का इंतजार किया जा रहा हो। यह संघर्ष केवल तीन देशों की कहानी नहीं रह गया है। धीरे–धीरे यह लगभग पंद्रह देशों को अपनी लपटों में समेट चुका है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति की अजीब विडंबना देखिए–जहां हर मंच पर शांति, मानवता और वैश्विक सहयोग की लंबी–लंबी बातें होती हैं, वहीं असली संकट के समय सबके शब्द जैसे छुट्टी पर चले जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में गंभीर चेहरे जरूर दिखाई देते हैं, मगर समाधान की फाइल शायद अभी भी ड्राफ्ट मोड में ही अटकी हुई है।

अमरीका और इजरायल की रणनीति ईरान में सत्ता परिवर्तन की है। यह विचार सुनने में जितना आसान लगता है, इतिहास उतना ही ठहाका लगाकर इसे झुठला देता है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान के उदाहरण ऐसे हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि विदेशी हस्तक्षेप लोकतंत्र लाने का सबसे भरोसेमंद तरीका नहीं है। उल्टा, इससे अक्सर ऐसा उग्र राष्ट्रवाद पैदा हो जाता है, जो पहले से कहीं ज्यादा जिद्दी और आक्रामक बनकर सामने आता है।

ईरान के भीतर भी मतभेदों की कमी नहीं है। वहां की जनता कई मुद्दों पर अपने शासन से असहमत रहती है। लेकिन बाहरी हमला होते ही यह मतभेद अचानक छुट्टी पर चले जाते हैं और राष्ट्रवाद की भावना सक्रिय हो जाती है। इतिहास में यह बार–बार देखा गया है कि जब किसी देश पर बाहरी हमला होता है, तो अंदरूनी विरोध भी अस्थायी रूप से राष्ट्र की रक्षा के नाम पर एकजुट हो जाता है। यही वजह है कि ईरान में खामेनेई शासन के कई आलोचक भी फिलहाल शांत हैं और विदेशी हमले के खिलाफ एकजुटता दिखा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इस पूरे दृश्य में दोहरे मापदंड भी साफ दिखाई देते हैं। यूरोप के अधिकांश देश अमरीका और इजरायल के साथ खड़े हैं, लेकिन शांति की दिशा में ठोस पहल करने के लिए कोई उत्सुक नहीं दिखता। मानो सब यह सोच रहे हों कि पहले कोई दूसरा आगे

बढ़े, तब हम भी तालियां बजा देंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो शक्ति रखने वाला रूस जरूर मध्यस्थता की पेशकश कर रहा है, लेकिन समस्या यह है कि वह खुद यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। ऐसे में उसकी मध्यस्थता की पेशकश कुछ वैसी ही लगती है, जैसे कोई व्यक्ति खुद बारिश में भीगते हुए दूसरों को छाता बांटने की सलाह दे रहा हो।

दूसरी ओर चीन की चुप्पी भी कम दिलचस्प नहीं है। वह स्थिति को बड़े धैर्य से देख रहा है। उसकी नजरें फिलहाल ताइवान पर टिकी हैं, इसलिए शायद वह सोच रहा है कि अभी ज्यादा सक्रिय होना रणनीतिक रूप से फायदेमंद नहीं होगा। वैश्विक राजनीति में यह भी एक कला है–कभी–कभी सबसे बड़ा बयान वही होता है, जो दिया ही नहीं जाता। ऐसे माहौल में दुनिया की नजरें भारत और ब्राजील जैसे देशों पर टिकती हैं। इन दोनों देशों के संबंध ईरान और अमरीका–इजरायल, दोनों पक्षों से संतुलित हैं। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती है कि वे मध्यस्थता की भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उम्मीद और वास्तविकता के बीच दूरी अक्सर उतनी ही होती है, जितनी भाषण और निर्णय के बीच होती है। भारत भी शायद तब तक इस आग में कूदने से बचना चाहेगा, जब तक उसे यह भरोसा न हो जाए कि पानी की बाल्टी सचमुच आग बुझा सकती है। इस पूरे संघर्ष का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। यदि युद्ध लंबा खिंचता है, तो यह दुनिया की आर्थिक व्यवस्था के लिए किसी ब्लैक होल से कम नहीं होगा। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग बीस प्रतिशत तेल और गैस गुजरता है।

यदि वहां जहाजों की आवाजाही रुक जाती है, तो तेल की कीमतें ऐसे उछल सकती हैं, जैसे शेयर बाजार में अचानक अफवाह फैल गई हो। कतर जैसे बड़े एलएनजी उत्पादक की चेतावनी भी चिंता बढ़ाने वाली है। उसका कहना है कि यदि संघर्ष नहीं थमा, तो दो सप्ताह के भीतर खाड़ी देशों का ऊर्जा निर्यात ठप हो सकता है। अगर कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती हैं, तो वैश्विक जीडीपी की रफ्तार अचानक धीमी पड़ सकती है।

भारत के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। यदि एलएनजी की आपूर्ति में 40 प्रतिशत तक कटौती होती है, तो इसका असर उर्वरक उत्पादन, बिजली आपूर्ति और सीएनजी वितरण तक महसूस किया जा सकता है। यानी युद्ध भले ही पश्चिम एशिया में हो रहा हो, उसकी गर्मी भारत की रसोई और उद्योग दोनों तक पहुंच सकती है।

विडंबना यह है कि आधुनिक दुनिया में युद्ध की तैयारी बहुत तेज होती है, लेकिन शांति की पहल अक्सर बहुत धीमी होती है। हथियारों की आपूर्ति के लिए विमान तुरंत उड़ जाते हैं, लेकिन बातचीत के लिए कूटनीतिक प्रयासों को उड़ान भरने में समय लग जाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि वैश्विक शक्तियां केवल बयान देने तक सीमित न रहें, बल्कि युद्ध रोकने के लिए वास्तविक पहल करें। क्योंकि इतिहास यह बताता है कि युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे समाप्त करना अक्सर बेहद कठिन होता है। यदि समय रहते यह संघर्ष नहीं रोका गया, तो इसकी लपटें केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेंगी। ऊर्जा संकट, आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक तनाव की यह आग धीरे–धीरे पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। और तब शायद दुनिया को यह एहसास होगा कि युद्ध के मैदान में जीतने वाला भी अंततः हार ही जाता है–क्योंकि असली हार हमेशा शांति की होती है।

टी20 विश्व कप जीतकर भारत बना वर्ल्ड चैंपियन

क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने टी20 विश्व कप जीतकर एक बार फिर दुनिया में अपनी ताकत साबित कर दी है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम भी चर्चा में है। हालांकि टीम के चैंपियन बनने के बाद भी सूर्यकुमार यादव के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कुछ लोग उनकी कप्तानी और प्रदर्शन को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं कुछ फैंस उनके संन्यास को लेकर भी अटकलें लगा रहे हैं।

फाइनल मुकाबले में भारत की जीत का पल तब आया जब तिलक वर्मा ने जैकब डफी का कैच पकड़कर टीम को खिताबी जीत दिलाई। उस समय कप्तान सूर्यकुमार यादव के चेहरे पर एक खास मुस्कान देखने को मिली। यह मुस्कान उस कप्तान की थी जिसने काफी आलोचनाओं के बीच टीम को चैंपियन बनाया। पिछले कुछ समय से सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन विश्व कप जीत के साथ उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया।

इस टूर्नामेंट में हालांकि सूर्यकुमार यादव का बल्ला उम्मीद के मुताबिक नहीं चला। नौ मैचों में उन्होंने कुल 242 रन बनाए और सिर्फ एक अर्धशतक लगाया। यह पारी उन्होंने अमेरिका के खिलाफ खेली थी, जिसमें उन्होंने नाबाद 84 रन बनाए थे। इसके बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। यहां तक कि फाइनल मैच में भी वह पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए।

इसी वजह से कुछ फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञ यह सवाल उठाने लगे कि अगर सूर्यकुमार यादव कप्तान नहीं होते तो शायद उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलना भी मुश्किल हो सकता था। हालांकि टीम के अंदर उनकी भूमिका सिर्फ बल्लेबाज की नहीं बल्कि एक ऐसे कप्तान की रही जिसने खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी दी।

विश्व कप जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार यादव ने साफ कर दिया कि टीम का अगला बड़ा लक्ष्य 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट का गोल्ड मेडल जीतना है। इस बयान से यह भी संकेत मिलता है कि वह अभी क्रिकेट से दूर जाने का कोई इरादा नहीं रखते।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की तुलना कई बार महान कप्तानों से की जाती है। उनसे पहले भारत को घरेलू धरती पर विश्व कप जिताने का कारनामा केवल महेंद्र सिंह धोनी ने 2011 में किया था। इसलिए अब सूर्यकुमार यादव का नाम भी उन कप्तानों की सूची में जुड़ गया है जिन्होंने भारत को विश्व चैंपियन बनाया। टीम के खिलाड़ियों के साथ उनका व्यवहार भी काफी अलग रहा है। उन्होंने कभी खुद को "दादा" या बड़े भाई की तरह पेश करने की कोशिश नहीं की, बल्कि खिलाड़ियों को अपने तरीके से खेलने और आगे बढ़ने की स्वतंत्रता दी। यही वजह है कि टीम के कई युवा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खुलकर खेलते नजर आए।

अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कप्तानी को किस तरह आगे बढ़ाते हैं और क्या वह आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में भी भारत को सफलता दिला पाते हैं।

90 करोड़ की मालकिन, लग्जरी लाइफ जीती तृषा

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री तृषा कृष्णन अपनी शानदार एक्टिंग और ग्लैमरस लाइफस्टाइल के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। दो दशकों से अधिक लंबे करियर में उन्होंने तमिल और तेलुगु फिल्मों में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं और आज वह साउथ सिनेमा की सबसे सफल और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तृषा कृष्णन की कुल संपत्ति करीब 90 करोड़ रुपये बताई जाती है। उन्होंने फिल्मों, ब्रांड एंडोर्समेंट और निवेश के जरिए यह बड़ी संपत्ति बनाई है। तृषा एक फिल्म के लिए लगभग 8 से 9 करोड़ रुपये तक फीस लेती हैं। बड़े बजट की फिल्मों में निर्माता उन्हें कास्ट करने के लिए खास दिलचस्पी दिखाते हैं।

एक्ट्रेस की संपत्ति में आलीशान रियल एस्टेट भी शामिल है। उनका मुख्य घर चेन्नई के एक पॉश इलाके में स्थित है, जिसकी कीमत करीब 7 करोड़ रुपये बताई जाती है। इस घर में मॉडर्न इंटीरियर, महंगे फर्नीचर और शानदार एंटरटेनमेंट एरिया जैसी कई लग्जरी सुविधाएं मौजूद हैं।

इसके अलावा तृषा के पास हैदराबाद में भी एक शानदार बंगला है, जिसकी कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनके पास कई लग्जरी कारें भी हैं। फिल्मों के अलावा तृषा ब्रांड एंडोर्समेंट और रियल एस्टेट निवेश के जरिए भी अच्छी कमाई करती हैं, जिसके कारण उनकी लग्जरी लाइफस्टाइल अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है।

रणवीर–आलिया की जोड़ी ने मचाया बॉक्स ऑफिस पर धमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में कुछ जोड़ियां ऐसी होती हैं जो पर्दे पर आते ही दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। ऐसी ही एक सुपरहिट जोड़ी है रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की। साल 2019 से 2023 के बीच इन दोनों सितारों ने दो फिल्मों में साथ काम किया और दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की। उनकी दमदार एक्टिंग और जबरदस्त केमिस्ट्री ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। इस जोड़ी की पहली फिल्म थी गली बॉय, जिसे जोया अख्तर ने निर्देशित किया था। यह फिल्म मुंबई के धारावी में रहने वाले एक युवा रैपर मुराद की कहानी पर आधारित थी, जिसका किरदार रणवीर सिंह ने निभाया था।

वहीं आलिया भट्ट ने उनकी गर्लफ्रेंड सफीना की भूमिका निभाई थी। फिल्म का मशहूर डायलॉग और गाना "अपना टाइम आएगा" लोगों की जुबान पर चढ़ गया था। लगभग 84 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 238 करोड़ रुपये की कमाई की और कई बड़े अवॉर्ड भी जीते।

इसके बाद रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आई। इस फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया था। फिल्म में रणवीर ने रॉकी रंधावा और आलिया ने रानी चटर्जी का किरदार निभाया। अलग–अलग संस्कृतियों और परिवारों से आने वाले दो लोगों की प्रेम कहानी पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई।

करीब 160 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में 355 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया। इस तरह दोनों फिल्मों ने मिलकर लगभग 600 करोड़ रुपये की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ा रिकॉर्ड बना दिया। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री और दमदार अभिनय ने यह साबित कर दिया कि यह जोड़ी आज के दौर की सबसे पसंदीदा बॉलीवुड जोड़ियों में से एक है।

धोनी के इंस्टाग्राम पोस्ट पर गौतम गंभीर का मजेदार जवाब

और मुस्कुराने की कितनी अच्छी है वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है। इस शानदार जीत के बाद भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच सोशल मीडिया पर भी दिलचस्प बातचीत देखने को मिली। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने करीब दो साल बाद इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर टीम इंडिया और हेड कोच गौतम गंभीर की तारीफ की। धोनी के इस पोस्ट पर गंभीर ने भी मजेदार अंदाज में जवाब दिया, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। दरअसल, 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक मैच को देखने के लिए पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा भी स्टेडियम में मौजूद थे।

दोनों विश्व चैंपियन कप्तानों ने मैच से पहले ट्रॉफी को मैदान पर लाकर सम्मानित भी किया और पूरा मुकाबला स्टेडियम में बैठकर देखा।

टीम इंडिया की जीत के बाद महेंद्र सिंह धोनी बेहद खुश नजर आए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए टीम इंडिया और कोच गौतम गंभीर की जमकर तारीफ की। धोनी ने अपने पोस्ट में लिखा, "कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।" धोनी का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

धोनी के इस पोस्ट पर गौतम गंभीर ने भी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। गंभीर ने कमेंट करते हुए लिखा, "और मुस्कुराने की कितनी अच्छी वजह है, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।" गंभीर के इस जवाब को फैंस ने काफी पसंद किया और देखते ही देखते यह बातचीत सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। धोनी ने अपने पोस्ट में सिर्फ गंभीर की ही नहीं बल्कि पूरी टीम इंडिया की भी जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा कि अहमदाबाद में भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है और इसके लिए टीम, सपोर्ट स्टाफ और सभी फैंस को बधाई मिलनी चाहिए। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी तारीफ की और उन्हें "चैंपियन बॉलर" बताया। अगर फाइनल मुकाबले की बात करें तो न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का ौका दिया था। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 159 रन पर सिमट गई और भारत ने 96 रन से बड़ी जीत दर्ज कर तीसरी बार टी20 विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

भारत की इस जीत के बाद खिलाड़ियों के साथ–साथ पूर्व क्रिकेटरों की प्रतिक्रियाएं भी लगातार सामने आ रही हैं और सोशल मीडिया पर जश्न का माहौल बना हुआ है।

मैटरनिटी फोटोशूट में दिखा रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम का खास प्यार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम जल्द ही माता–पिता बनने वाले हैं। इन दिनों यह कपल अपनी जिंदगी के इस खास और भावनात्मक दौर को खूब एंजॉय कर रहा है। हाल ही में दोनों ने एक खूबसूरत मैटरनिटी फोटोशूट कराया, जिसकी झलक सोशल मीडिया पर सामने आई और देखते ही देखते फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई।

फोटोशूट की तस्वीरों में दोनों के बीच की गहरी बॉन्डिंग साफ नजर आती है। सादगी भरे माहौल में कराए गए इस फोटोशूट में दोनों हल्के और पेस्टल रंगों के कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में रणदीप अपनी पत्नी

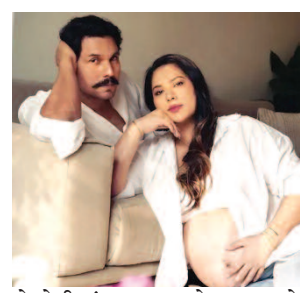

के बेबी बंप पर प्यार से हाथ रखते नजर आते हैं। दोनों की मुस्कान आने वाले नन्हे मेहमान को लेकर उनकी खुशी और उत्साह को बखूबी जाहिर करती है। तस्वीरें सामने आने के बाद फैंस भी इस जोड़ी पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कई यूजर्स ने कमेंट कर कपल को बधाई दी और उनके स्वस्थ बच्चे की कामना की।

जनता दर्शन में सीएम योगी की नसीहत

बच्चों से बोले– पढ़ाई पर दें ध्यान,सोशल मीडिया से दूर रहें

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने फरियादियों से मुलाकात कर उनके प्रार्थना पत्र लिए और भरोसा दिलाया कि सरकार सभी की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करेगी।

जनता दर्शन में कई अभिभावक अपने बच्चों के साथ भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बातचीत की और उन्हें पढ़ाई पर ध्यान देने की सलाह दी। एक बच्चे से बात करते हुए सीएम ने उसे चॉकलेट दी और उसकी पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि बच्चों को किताबें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और सोशल मीडिया का इस्तेमाल केवल जरूरत के अनुसार ही करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि

मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग बच्चों के लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए पढ़ाई और ज्ञान बढ़ाने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर शिकायत का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कार्यक्रम के दौरान कुछ उद्यमियों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को मामले का गंभीरता से संज्ञान लेकर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं, इसलिए उद्योगों से जुड़े मामलों में देरी नहीं होनी चाहिए।

इसके अलावा एक व्यक्ति ने पुलिस से संबंधित शिकायत भी मुख्यमंत्री के सामने रखी। शिकायत में कार्रवाई में देरी की बात कही गई थी। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। अवैध कब्जे से जुड़े एक अन्य मामले में भी मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे मामलों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हाथरस में संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

यूनिक समय, हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव चिरायल की है, जहां सोमवार सुबह एक महिला का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार गांव गंथरी शाहपुर निवासी कृपाल सिंह की 28 वर्षीय बेटी लक्ष्मी देवी की शादी करीब पांच वर्ष पहले चिरायल गांव निवासी मंटू के साथ हुई थी। मंटू और उसका भाई फरीदाबाद में निजी नौकरी करते हैं और घटना के समय दोनों घर पर मौजूद नहीं थे। बताया जा रहा है कि रविवार रात लक्ष्मी देवी ने परिवार के साथ खाना खाया और उसके बाद अपने कमरे में सोने चली गई। सोमवार सुबह काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आई तो परिजनों को चिंता हुई। सास–ससुर ने दरवाजा

कमरे में फंदे से लटका मिला शव

खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद झरोखे से झांककर देखा गया तो लक्ष्मी देवी का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ दिखाई दिया। यह देख परिजनों में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतका के मायके वालों को भी दे दी है।

बताया जा रहा है कि लक्ष्मी देवी की शादी को पांच साल हो चुके थे, लेकिन उन्हें कोई संतान नहीं थी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

नियुक्ति की मांग पर डटे 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन एक बार फिर तेज हो गया। नियुक्ति की मांग को लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सोमवार को लखनऊ स्थित बेसिक शिक्षा निदेशालय पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। बढ़ती भीड़ और प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप किया और प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को वहां से हटाकर ईको गार्डेन भेज दिया।

बताया जा रहा है कि अभ्यर्थी महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय के सामने अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस की मौजूदगी में अभ्यर्थियों की मुलाकात बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल से कराई गई। इस दौरान अभ्यर्थियों ने जल्द नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठाई। बेसिक शिक्षा निदेशक ने अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया कि मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, इस आश्वासन से अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने धरना जारी रखा। स्थिति को नियंत्रित

पुलिस ने ईको गार्डेन भेजा

करने के लिए पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर ईको गार्डेन भेज दिया। सोमवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय परिसर में काफी संख्या में अभ्यर्थियों का जमावड़ा देखने को मिला। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के साथ–साथ गणित और विज्ञान विषय की भर्ती से जुड़े अभ्यर्थी भी वहां पहुंचे थे। इन अभ्यर्थियों ने भी अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि काउंसिलिंग होने के बाद भी आगे की प्रक्रिया लंबे समय से रुकी हुई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं और बार–बार आश्वासन मिलने के बावजूद प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। इसी वजह से वे लगातार प्रदर्शन कर अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

एसआई भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी रोकने को जारी हुआ व्हाट्सएप और ईमेल नंबर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाली पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने परीक्षा से जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने के लिए ईमेल और व्हाट्सएप नंबर जारी किया है, ताकि साल्वर गैंग, पेपर लीक या नकल जैसी घटनाओं पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

भर्ती बोर्ड के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति को परीक्षा से पहले या परीक्षा के दौरान पेपर लीक, प्रश्नपत्र की खरीद–फरोख्त, नकल कराने की कोशिश, साल्वर गैंग की गतिविधि या किसी अन्य संदिग्ध मामले की जानकारी मिलती है, तो वह इसकी सूचना सीधे बोर्ड को दे सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे लोग बिना किसी डर के जानकारी साझा कर सकें।

उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस और समकक्ष पदों के लिए लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च को आयोजित की जाएगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कई परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी और विशेष टीमों को भी तैनात किया जाएगा। भर्ती बोर्ड का कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह साफ और भरोसेमंद बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। इसी वजह से अभ्यर्थियों और आम लोगों से सहयोग की अपील की गई है, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

यदि किसी को परीक्षा से जुड़ी कोई भी संदिग्ध जानकारी मिलती है, तो वह बोर्ड को ईमेल या व्हाट्सएप नंबर 9454457951 पर सूचना दे सकता है। बोर्ड ने भरोसा दिलाया है कि हर सूचना की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मार्च में बढ़ी गर्मी की तपिश

अलीगढ़ प्रदेश का तीसरा सबसे गर्म जिला रहा

यूनिक समय, अलीगढ़। मार्च की शुरुआत के साथ ही उत्तर प्रदेश में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। खासतौर पर अलीगढ़ में बीते कुछ दिनों से तापमान तेजी से बढ़ रहा है। हालात यह हैं कि अलीगढ़ प्रदेश का तीसरा सबसे गर्म जिला बन गया है। रविवार को यहां अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन तेज धूप और नमी की कमी के कारण लोगों को 37 डिग्री जैसी गर्मी का अहसास हुआ।

दोपहर के समय गर्मी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला। सुबह और शाम के समय मौसम कुछ हद तक सामान्य रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे से तीन बजे के बीच तेज धूप के कारण लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

बाजारों और सड़कों पर भीड़ सामान्य दिनों की तुलना में कम दिखाई दी। कई लोग धूप से बचने के लिए छाता, गमछा और पानी की बोतल साथ लेकर घर से निकलते नजर आए।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 7 मार्च को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान झांसी में 36.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद आगरा में 36.4 डिग्री और अलीगढ़ में 35 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इस तरह अलीगढ़ प्रदेश का तीसरा सबसे गर्म जिला रहा।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में अचानक बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं। जब उत्तर भारत से पश्चिमी विक्षोभ गुजर जाता है तो आसमान साफ हो जाता है और बादल कम हो जाते हैं। इससे सूर्य की सीधी किरणें जमीन पर पड़ती हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ने लगता है। इसके अलावा हवा की गति कम होने से गर्मी का असर और ज्यादा महसूस होता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि राजस्थान और बुंदेलखंड की ओर से आने वाली शुष्क और गर्म हवाएं भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक पहुंच रही हैं, जिससे दिन का तापमान सामान्य से अधिक हो रहा है। अलीगढ़ जैसे शहरों में कंक्रीट की इमारतें, सड़कें और घनी आबादी होने के कारण जमीन जल्दी गर्म हो जाती है और देर तक गर्मी बनी रहती है। इसे शहरी हीट आइलैंड प्रभाव कहा जाता है।

सार संक्षेप

रांची रेस्टोरेंट में दिनदहाड़े फायरिंग वेटर की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। रांची में एक रेस्टोरेंट के अंदर दिनदहाड़े हुई फायरिंग में एक वेटर की मौत हो गई। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और संदिग्ध की पहचान के प्रयास जारी हैं। इस घटना ने स्थानीय लोगों में भय पैदा कर दिया है।

करूर भगदड़ मामला विजय से सीबीआई फिर करेगी पूछताछ

यूनिक समय, नई दिल्ली। करूर भगदड़ मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय को मंगलवार को फिर से पूछताछ के लिए तलब किया है। इससे पहले उनसे 12 और 19 जनवरी को पूछताछ हो चुकी है। 27 सितंबर 2025 को करूर रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। सीबीआई को नए दस्तावेज और तथ्य मिले हैं, जिन पर विजय से स्पष्टीकरण लिया जाएगा।

चुनाव से पहले कोलकाता में ईसी की बैठक

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। बैठक में चुनावी तैयारियों, मतदाता सूची और शांतिपूर्ण चुनाव पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय दलों ने आयोग को आश्वस्त किया कि वे हिंसा-मुक्त चुनाव में सहयोग करेंगे। दलों ने केंद्रीय बल (सीएपीएफ) की तैनाती, असामाजिक गतिविधियों पर रोक और चुनाव को एक या दो चरणों में कराने की मांग भी की।

ट्रंप के 19 साल के बेटे को जंग में भेजने की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच अमेरिका में एक विवादास्पद ऑनलाइन अभियान शुरू हुआ है। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे 19 साल के बैरन ट्रंप को ईरान के खिलाफ युद्ध में भेजने की मांग की जा रही है। इस पेटिशन ने 48 घंटे में 50,000 से अधिक हस्ताक्षर जुटा लिए। अभियान अमेरिकी दक्षिणपंथी और ट्रंप समर्थक समुदायों में तेजी से वायरल हो रहा है और सोशल मीडिया पर बहस का केंद्र बन गया है।

यूएई ने ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को सफलतापूर्वक नष्ट किया। यूएई रक्षा मंत्रालय के अनुसार 16 बैलिस्टिक मिसाइल और 113 वअश को इंटरसेप्ट किया गया, जबकि 17वीं मिसाइल समुद्र में गिर गई। 40 सेकंड के वीडियो में ड्रोन को मारते हुए एयर डिफेंस सिस्टम दिखाई दिया। अधिकारियों ने नागरिकों को सुरक्षित जगह पर रहने और फोटो या वीडियो न लेने की चेतावनी भी दी है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव पर नजर रख रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : एस. जयशंकर

कहा- पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राज्यसभा में सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्षेत्र में तेजी से बदल रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और विभिन्न मंत्रालय मिलकर स्थिति का आकलन कर रहे हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकें। जयशंकर ने बताया कि भारत सरकार ने 20 फरवरी को ही एक आधिकारिक बयान जारी कर इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि तनाव को कम करने के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे प्रभावी रास्ता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। भारत इस क्षेत्र के करीब है और यहां की स्थिरता देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी कई हजार भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अहम है, क्योंकि भारत को तेल और गैस की बड़ी आपूर्ति यहीं से होती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति में गिरावट देखी जा रही है। इसका असर आम जनजीवन और आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अस्थिरता की स्थिति भी पैदा हो रही है। जयशंकर ने यह भी बताया कि इस तनाव के दौरान एक व्यापारी जहाज पर काम कर रहे दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि एक अभी भी लापता है। उन्होंने कहा कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने वहां फंसे भारतीय छात्रों की मदद की है और कई छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालकर भारत लौटने में सहायता प्रदान की गई है।

दिल्ली शराब नीति मामले में हाई कोर्ट का नोटिस, 23 आरोपियों से मांगा जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस सीबीआई की उस अपील पर सुनवाई के दौरान जारी किया गया, जिसमें राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने सभी पक्षों से इस मामले में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक इस अपील पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जुड़े हवाला मामले में आगे की सुनवाई नहीं होगी। साथ ही कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश पर भी रोक लगा दी, जिसमें सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच की सिफारिश की गई थी।

सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा कि यह मामला देश की राजधानी के इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की आबकारी नीति को जानबूझकर इस तरह तैयार किया गया था, जिससे कुछ चुनिंदा कारोबारियों को फायदा पहुंचाया जा सके। सीबीआई के अनुसार मामले में गवाहों के बयान, ईमेल, व्हाट्सएप चैट और अन्य फोरेंसिक सबूत मौजूद हैं, जो कथित साजिश और पैसों के लेन-देन की ओर इशारा करते हैं। एजेंसी का कहना है कि हवाला के जरिए करोड़ों रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ और इस पूरे मामले की जांच अभी जारी है।

सऊदी अरब ने ईरान को दी सख्त चेतावनी

'हमले जारी रहे तो नुकसान सिर्फ आपके लिए'

यूनिक समय, नई दिल्ली। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है। सऊदी अरब ने कहा है कि अगर अरब और खाड़ी देशों पर हमले जारी रहे तो इसका सबसे बड़ा नुकसान खुद ईरान को ही उठाना पड़ेगा। सऊदी विदेश मंत्रालय ने ईरान द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे हमलों की कड़ी निंदा की है।

रिपोर्ट के अनुसार ईरान पर खाड़ी देशों के सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने के आरोप लगे हैं। बहरीन ने दावा किया है कि ईरान ने पीने के पानी के लिए जरूरी डीसेलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया। इसके अलावा ईरान द्वारा खाड़ी देशों की ओर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे जाने की भी खबरें सामने आई हैं। सऊदी अरब ने यह भी बताया कि एक सैन्य प्रोजेक्टाइल रिहायशी इलाके में गिरा, जिसमें कई लोग घायल हो गए। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि एयरपोर्ट, तेल सुविधाओं और आम नागरिकों से जुड़े स्थानों पर हमले क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन हैं। सऊदी अरब ने तेहरान के उन दावों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि सऊदी अरब ने अपने क्षेत्र से लड़ाकू विमानों के संचालन की अनुमति दी थी। सऊदी सरकार ने स्पष्ट किया कि ये विमान केवल हवाई गश्त कर रहे थे और उनका उद्देश्य क्षेत्र को मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षित रखना था। साथ ही चेतावनी दी गई कि हमले जारी रहने पर दोनों देशों के रिश्तों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पांच पीआईएल खारिज कीं वकील को लगाई फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वकील सचिन गुप्ता की तरफ से दायर पांच पीआईएल को 'असंगत और बेवजह' बताते हुए खारिज कर दिया। इनमें एक याचिका में यह जांच की मांग थी कि प्याज और लहसुन में 'तामसिक' यानी नकारात्मक ऊर्जा होती है या नहीं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने गुप्ता को फटकार लगाते हुए पूछा कि क्या आप आधी रात को ये याचिकाएं तैयार करते हैं। सीजेआई ने याचिकाओं को अस्पष्ट और बिना आधार वाली बताया। प्याज-लहसुन वाली याचिका में जैन धर्म के लोगों की भावनाओं का हवाला दिया गया था, जिन्हें यह भोजन नहीं पसंद। कोर्ट ने पूछा कि आप उनकी भावनाओं को क्यों आहत करना चाहते हैं। वकील ने जवाब दिया कि यह आम समस्या है और गुजरात में किसी ने खाने में प्याज इस्तेमाल करने पर तलाक भी लिया। इसके अलावा शराब, तंबाकू, संपत्ति पंजीकरण और शास्त्रीय भाषाओं से जुड़ी चार अन्य याचिकाएं भी खारिज की गईं।

दिल्ली और आसपास भूकंप के झटके, रेवाड़ी रहा केंद्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोमवार की सुबह राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र हरियाणा के रेवाड़ी में था। यह भूकंप सुबह करीब सात बजकर एक मिनट पर आया और इसकी गहराई लगभग पांच किलोमीटर दर्ज की गई। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.8 मापी गई। झटके महसूस होते ही कई लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि इस भूकंप से किसी बड़े नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार भूकंप धरती की टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल के कारण आते हैं। पृथ्वी के अंदर कई बड़ी प्लेटें लगातार अपनी जगह बदलती रहती हैं। जब ये प्लेटें आपस में टकराती या रगड़ खाती हैं तो ऊर्जा निकलती है, जिससे भूकंप के झटके महसूस होते हैं।

सुबह करीब सात बजकर एक मिनट पर आया, इसकी गहराई पांच किलोमीटर दर्ज की गई

दक्षिण भारत में पैर पसार रहा लश्कर का छुपा नेटवर्क

अवैध प्रवासियों को भारत में लाने वाले दलालों का सहारा ले रहा लश्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा दक्षिण भारत में अवैध प्रवासियों, खासकर बांग्लादेशियों को भर्ती कर रहा है। इस भर्ती अभियान का उद्देश्य उत्तर भारत, पूर्वोत्तर और पश्चिम बंगाल में बड़े आतंकी हमले कराना है। फरीदाबाद मॉड्यूल के भंडाफोड़ और दिल्ली के आसपास मंदिरों पर हमले की साजिश के बाद यह जानकारी सामने आई है कि लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन अब घरेलू स्तर पर अपनी जड़ें मजबूत कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेटिव्स दक्षिण भारत में बसे अवैध प्रवासियों को निशाना बना रहे हैं। केरल में बंगाली कैंपों के आसपास और तमिलनाडु में भी लश्कर की गतिविधियां तेज हुई हैं। हाल ही में स्पेशल सेल ने तमिलनाडु पुलिस की मदद से छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया, जो दिल्ली और आसपास के मंदिरों पर हमले की साजिश में शामिल थे। आईबी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लश्कर भर्ती अभियान के लिए अवैध प्रवासियों को भारत में लाने वाले दलालों का सहारा ले रहा है।

ईरान संघर्ष का असर बांग्लादेश पर, बिजली बचाने के लिए ईद से पहले बंद होंगी यूनिवर्सिटीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का असर अब दक्षिण एशिया तक दिखाई देने लगा है। बढ़ते ऊर्जा संकट के बीच बांग्लादेश सरकार ने बिजली और ईंधन की बचत के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने देशभर की सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को सोमवार से बंद करने का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि ईद-उल-फितर की छुट्टियां इस बार पहले ही शुरू हो जाएंगी।

अधिकारियों के अनुसार यह फैसला ऊर्जा बचत के आपात कदमों के तहत लिया गया है। यूनिवर्सिटी कैंपस में हॉस्टल, क्लासरूम, लैब और एयर कंडीशनिंग जैसी सुविधाओं में बड़ी मात्रा में बिजली खर्च होती है। संस्थान बंद रहने से बिजली की खपत कम होगी और देश के पावर सिस्टम पर पड़ रहा दबाव भी घटेगा। इसके साथ ही ट्रैफिक कम होने से ईंधन की बचत भी होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा। वहीं, बांग्लादेश में स्कूल पहले से ही रमजान के दौरान बंद हैं। ऐसे में देश के अधिकांश शैक्षणिक संस्थान इस अवधि में पूरी तरह बंद रहेंगे। ऊर्जा संकट की वजह यह है कि मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है। बांग्लादेश अपनी लगभग 95 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। हालात को देखते हुए सरकार ने पहले ही ईंधन की बिक्री पर दैनिक सीमा भी तय कर दी है ताकि अनावश्यक खपत को रोका जा सके। गैस की भारी कमी के चलते सरकार को पांच सरकारी उर्वरक कारखानों में से चार का संचालन भी बंद करना पड़ा है। बिजली कटौती से बचने के लिए उपलब्ध गैस को बिजली संयंत्रों की ओर भेजा जा रहा है। इसके अलावा देश ने आपूर्ति की कमी पूरी करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से महंगे दामों पर एलएनजी खरीदने की कोशिश भी की है।

मस्जिद की दीवार पर नारे लिखवाने के आरोप में पिता गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के बागलकोट जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक ऑटो ड्राइवर को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने 12 साल के बेटे से मस्जिद की दीवार पर 'जय श्री राम' लिखवाया था। आरोपी की पहचान यमुनोरी भजंत्री के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, रात्रि में भजंत्री अपने बेटे और रिश्तेदारों के बच्चों सहित कुल छह बच्चों को ऑटो में लेकर घूमने निकला था। इसी दौरान वह शहर की एक मस्जिद के पास रुका और अपने बेटे को दीवार पर नारे लिखने के लिए कहा। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके बेटे को भी हिरासत में लेकर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

राज्यपाल ने वृंदावन स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका) का किया निरीक्षण

आनंदीबेन पटेल ने बालिकाओं से संवाद कर जानी व्यवस्थाएं

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को वृंदावन के चैतन्य विहार क्षेत्र में संचालित राजकीय बाल गृह (बालिका) का निरीक्षण किया। परिसर में पहुंचने पर बालिकाओं ने पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्य विकास अधिकारी पूजा गुप्ता ने संस्थान की व्यवस्थाओं और संचालन से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र ने बताया कि संस्थान में रह रही बालिकाओं के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने बालिकाओं के कक्ष, प्रशिक्षण केंद्र, रसोईघर, सभागार, स्टाफ कक्ष, कार्यालय, भोजनालय, शौचालय सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने बालिकाओं से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, रहने की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया। बैठक में शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षकों के साथ चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही दो बच्चों फैजान और हर्षिता का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। संवासिनियों के बच्चों को बेबी किट और वस्त्र वितरित किए गए, जबकि

वृंदावन के चैतन्य विहार क्षेत्र में संचालित राजकीय बाल गृह (बालिका) का निरीक्षण करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। साथ हैं डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार।

अन्नप्राशन संस्कार कराया, योजनाओं के लाभार्थियों को दिए स्वीकृति पत्र

महिलाओं को उपहार पैकेट और टी-शर्ट दिए। कार्यक्रम में कौशल विकास के अंतर्गत अनीता सारस्वत और सीमा छापरिया को महिला उद्यमी के रूप में सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी सिमरन, मीनाक्षी और तनवी को स्वीकृति पत्र दिए। साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत चेतना, कृष्णा और प्रियंका गोस्वामी को भी प्रमाण पत्र दिए गए। राज्यपाल ने परिसर में बरगद का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने उन्हें श्री बांके बिहारी जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

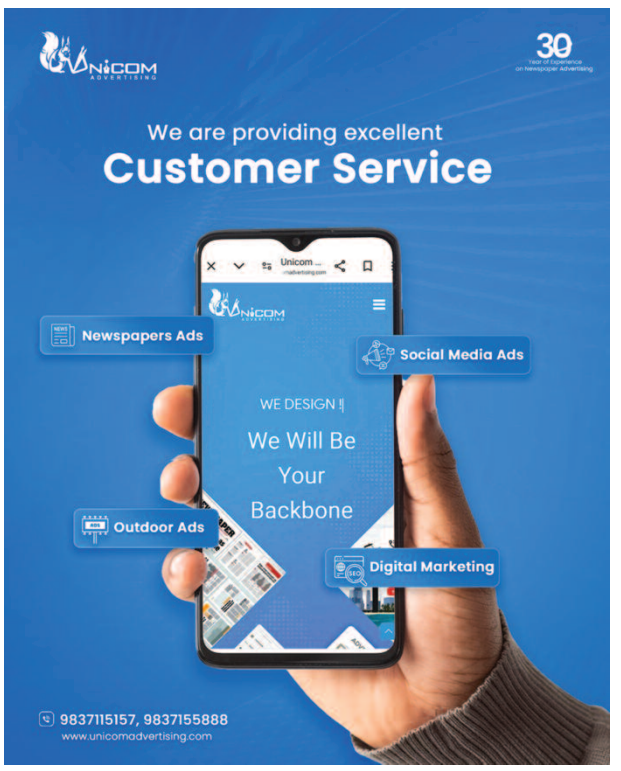

सर्राफा कमेटी ने वार्षिक उत्सव (हंडा) मनाया

सर्राफा कमेटी के बैनर तले आयोजित वार्षिक हांडा उत्सव में पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सर्राफा कमेटी तिलकद्वार क्षेत्र के व्यवस्थापक चिराग अग्रवाल ने बताया कि सर्राफा कमेटी का वार्षिक उत्सव हंडा के रूप में मनाया। इसमें सर्राफा व्यापारियों ने भाग लिया। मुख्य संयोजक रूप कृष्ण गर्ग ने बताया कि सुबह उद्धव जी की बैठक कुसुम सरोवर पर ठाकुर जी के अभिषेक के साथ प्रारंभ हुई। फिर ठाकुर जी के 56 भोग दर्शन के साथ साधु सेवा हुई। कार्यकारी अध्यक्ष सुमनेश अग्रवाल ने बताया कि यह उत्सव लगभग 70 वर्ष से चल रहा है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, अध्यक्ष कंचनलाल अग्रवाल, मंत्री मयंक अग्रवाल ,सर्वेश सर्राफ, नितिन सर्राफ, रितेश सर्राफ, नवीन चौधरी, विकास अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, राजीव महावन, विनीत अग्रवाल, जॉली अग्रवाल, जयंती प्रसाद अग्रवाल, योगेश द्विवेदी तथा डॉ. अशोक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह में कलाकारों ने बांधा समां

गोपाल भवन में आयोजित होली मिलन समारोह में प्रस्तुति देते कलाकार।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। गोपाल भवन में आयोजित होली मिलन समारोह में कलाकार मंडली ने होली गीत सुनाकर समां बांध दिया। संजय शर्मा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कलाकार नरेश स्वामी ने गणेश वंदना से शुरुआत की। उसके बाद एक-एक करके सभी कलाकारों ने अपनी-अपने गायन प्रस्तुतियां दीं। अन्य कलाकारों में विजय शर्मा, राजू मास्टर, भरत शर्मा,लाला, संतोष अंजना तथा मुरारी तिवारी आदि शामिल थे।

हाईवे पर चलती कार में लगी आग

यूनिक समय,मथुरा। थाना हाईवे के अंतर्गत जयगुरुदेव मंदिर के पास एक चलती कार आग का गोला बन गई। कार में आग लगती देख हाईवे पर चलने वाले वाहनों के पहिया थम गए। वहीं कार में सवार लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते कार धू-धू कर जलने लगी। जलती कार को देख अफरा तफरी मच गई।

दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार दंपत्ति को अज्ञात वाहन ने रौंदा

पत्नी की मौके पर हुई मौत, पति ने अस्पताल ले जाते दम तोड़ा

स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को निकाला

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम अजीजपुर के समीप दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार दंपत्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौत हो गई। वहीं नंदगाव रोड पर एक डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। दुर्घटना में कार सवार परिवार बाल-बाल बच गया। गांव बंचारी होडल हरियाणा निवासी रमेश अपनी पत्नी के साथ बाइक से छाता दवा लेने के लिए गया था। बताया गया कि वह दवा लेकर बाइक से होडल के लिए लौट रहा था।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अजीजपुर गांव के एनएस हॉस्पिटल के समीप रमेश की बाइक को तेजगति से आते अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में रमेश की पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं दूसरी घटना में पलवल सिटी निवासी सुदेश अपनी पत्नी और बेटी के साथ बरसाना से दर्शन कर लौट रहे थे। जिंदल पुलिस चौकी के निकट अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार में सवार महिला और बेटी की चीखपुकार सुनकर वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह दुर्घटनाग्रस्त कर से घायलों को निकाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। जिंदल पुलिस चौकी इंचार्ज उत्तम सिंह ने बताया कि कार में बैठे पति-पत्नी बच्चा सुरक्षित हैं। पत्नी के मामूल चोट आई है। कार को सड़क से हटा कर यातायात को सुचारू करा दिया गया है।

होली मिलन समारोह में पत्रिका का विमोचन

वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारी पत्रिका का विमोचन करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के बैनर तले आजाद मार्केट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान होली मिलन एवं सम्मान समारोह की पत्रिका (निमंत्रण पत्र) का विमोचन किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं की उपस्थिति में कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की गई। सभी ब्रजवासियों को होली मिलन समारोह में ससम्मान आमंत्रित किया गया। समिति के महामंत्री अर्जुन पंडित ने कहा कि होली का पर्व भारतीय संस्कृति में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। इसी भावना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समिति द्वारा होली मिलन समारोह के साथ-साथ श्री वामन भगवान शोभायात्रा में सहयोग प्रदान करने वाले सहयोगियों एवं समाजसेवियों के सम्मान के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम 16 मार्च को पोतरा कुंड स्थित योगमाया मंदिर, श्रीकृष्ण जन्मभूमि के निकट होगा। इसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान समिति के संस्थापक श्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा, शोभायात्रा संयोजक संजय पिपरौनिया, उपाध्यक्ष विजय शर्मा पार्षद, आशीष शर्मा, कोषाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, संदीप शर्मा, हरिशंकर, राहुल शर्मा एवं सर्वेश चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

मेडल जीतकर लौटे तरुण व दिव्यांशु का स्वागत

गांव पहुंचने पर तरुण व दिव्यांशु का स्वागत करते ग्रामीण।

यूनिक समय, चौमुहाँ (मथुरा)। वाराणसी में संपन्न हुई अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाने वाले पहलवान तरुण सिसोदिया और दिव्यांशु सिसोदिया का गाँव पहुँचने पर ग्रामीणों ने स्वागत किया। वाराणसी में 17 से 19 फरवरी तक आयोजित इस चैंपियनशिप में तरुण सिसोदिया ने 41 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक (सिल्वर मेडल) और दिव्यांशु सिसोदिया ने 38 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक (ब्रोंज मेडल) जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जिला कुश्ती संघ के महासचिव जनार्दन सिंह पहलवान, अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में गिर्राज सिंह, सुरेश मेंबर, बिहारी लाल उर्फ पूरन सिंह, कालू पहलवान, जगन्नाथ सिसोदिया, पुष्पेंद्र पहलवान, भप्पा सिसोदिया, पंडित चिंतामणि शर्मा, कुलदीप सिसोदिया और रतन सिंह आदि शामिल थे।

दुकान के सामने खड़ी बाइक चोरी

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। थाना कोसीकलां के नाडूवांस गोपालनगर में दुकान के सामने खड़ी दुकादार की बाइक चोरी हो गई। सीमा पत्नी मुकेश का कहना है कि उनकी दुकान नाडूवास में है। दुकान पर गए पति ने बाइक को दुकान के समीप खड़ा किया था। इसके बाद वहां खड़ी बाइक चोरी हो गई। चोरों द्वारा बाइक चोरी करने की वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस मामले में पुलिस को बाइक चोरी की शिकायत दी गई है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053